

एक दशक में और मजबूत हुए भारत-सऊदी अरब के रिश्ते

रियाद। भारत और सऊदी अरब ने अपने संबंधों को मजबूती प्रदान करने के लिए तेल एवं गैस, रक्षा एवं नागर विमानन समेत विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साम्राज्य के शीर्ष नेतृत्व से गहन चर्चा की जिसके दौरान महत्वपूर्ण मुद्दों पर समन्वय के लिए रणनीतिक साझेदारी परिष्कृत स्थापित की गई। बहुचर्चित वैश्विक वित्तीय सम्मेलन (एफआईआई) में शामिल होने

द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग बनाने पर सहमति जताई। पाकिस्तान का प्रमुख सहयोगी माने जाने वाला सऊदी अरब क्षेत्र को आतंकवाद मुक्त बनाने के भारत के अभियान में उसका पक्ष ले रहा है और इस चुनौती से निपटने के लिए पूर्ण सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई है। बाद में शाम में, प्रधानमंत्री मोदी ने ताकतवार युवराज (क्राउन प्रिंस) मोहम्मद बिन सलमान के साथ कई विषयों पर चर्चा की।

आज से चार दिवसीय छठ पर्व होगा शुरू, घाट की तैयारी का जायजा लेने निकली मेयर

रांची। छठ गीतों से फिजा में महापर्व छठ की छटा छने लगी है। नेम, निग्र व अपार श्रद्धा का महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान 31 अक्टूबर से शुरू हो जाएगा। 31 अक्टूबर गुरुवार को ब्रती नहाय-खाय करेंगे। एक नवंबर शुक्रवार को खरना, दो नवंबर शनिवार को सांयकालीन अर्घ्य और तीन अक्टूबर की सुबह प्रातः कालीन अर्घ्य दिया जाएगा। इधर, नगर निगम की ओर से साफ-सफाई लगातार की जा रही है। इसके बावजूद स्थिति भयावह है। क्योंकि तालाब और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों में गंदगी बिखरी पड़ी है। इसे देखते हुए बुधवार को मेयर आशा लकड़ा, डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय नगर निगम के अधिकारियों के साथ तालाबों का जायजा लेने निकले। इस दौरान मेयर कांके डैम पहुंची। जहां उन्होंने पानी को उठकर देखा। पानी का रंग हरापन होने की वजह से उन्होंने अधिकारियों को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि पर्याप्त मात्रा में चूना और ब्लॉचिंग पाउडर डालें, ताकि पानी से आ रही दुर्गंध खत्म हो सके। इसके अलावा उन्होंने सभी



छठ घाटों में खतरे के निशान के पास बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया। वह छठ घाट तक आने वाले मार्गों की साफ-सफाई 24 घंटे के अंदर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ताकि छठ ब्रतियों को किसी तरह की परेशानी ना हो।

खरीदारी को लेकर राजधानी के बाजारों में भीड़ उमड़ने लगी

इधर, सोमवार से ही बाजार में छठ

पूजा के निमित्त सामग्री की दुकानें सज गई हैं। खासतौर से मिट्टी के चूल्हें, जलावन के लिए आम की लकड़ी, दउरा-सूप, मिट्टी के दीये, कलश आदि सामग्रियों की भरमार है। हालांकि दुकानों पर खरीदारी के लिए भीड़ कम रही, लेकिन बुधवार से छठ की खरीदारी को लेकर बाजारों में भीड़ उमड़ी। 30 अक्टूबर से ब्रती निरामिश भोजन आरंभ करेंगे। भारतीय सनातन धर्म में प्रत्यक्ष देवता सूर्य के आराधना छठ

व्रत के रूप में किया जाता है। लोकआस्था का पर्व छठ ही एकमात्र ऐसा पर्व है, जिसमें पंडित-पुरोहितों के बगैर ही लोग सूर्य देव की आराधना करते हैं। **खरना** : एक नवंबर शुक्रवार को खरना है। शाम में गुड़ व दूध से बनी खीर व रोटी का प्रसाद ग्रहण करने के बाद 36 घंटे का निराहार व्रत शुरू हो जाएगा। ऐसी मान्यता है कि खरना के प्रसाद में काफी बल होता है। इसके खाने से तेजस्विता,

निरोगिता और बौद्धिक क्षमता बढ़ती है।

पहला अर्घ्य : 2 नवंबर शनिवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को ब्रती पहला अर्घ्य यानी सांयकालीन अर्घ्य देंगे।

दूसरा अर्घ्य : 3 नवंबर रविवार को सुबह प्रातःकालीन यानी उदयाचलगामी सूर्य को ब्रती दूसरा अर्घ्य प्रदान करेंगे। इसके साथ ही यह पर्व पूरा हो जाएगा।

लाइन टैंक तालाब में 1 लाख लीटर गंगा जल प्रवाहित

लाइन टैंक तालाब में छठ ब्रतियों को साक्षात गंगा घाट में अर्घ्य देने का एहसास हो इसके लिए चडरी सरना समिति एक लाख लीटर गंगा जल तालाब में प्रवाहित करेगी। गंगा जल को पटना से मंगाया गया है। चडरी सरना समिति ने तालाब के प्रांगण में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। छठ व जतरा पूजा समिति के मुख्य संरक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि मां गंगा का अनुभव प्राप्त होगा। वहीं, मिताली घोष अपनी टीम के साथ छठ ब्रतियों का स्वागत करेंगी।

सभी मतदान केंद्रों पर होगी शौचालय, पेयजल और बिजली की सुविधा

रांची। आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान जिला के सभी मतदान केंद्रों में शौचालय, शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल, बिजली, फर्नीचर आदि की सुविधा होगी। इसको लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी राय महिमापत रे ने सभी निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी (आरओ) को हर मतदान केंद्र पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी (एएमएफ) सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वे गुरुवार को अपने गोपनीय कार्यालय में चुनाव को लेकर गठित कोषांगों की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र में आने-जाने के लिए अलग रास्ते की व्यवस्था सुनिश्चित कर एएमएफ सर्टिफिकेट सभी आरओ 04 नवंबर तक दें। साथ ही पीडब्ल्यूडी मतदाताओं के लिए रैंप की व्यवस्था, हेल्प डेस्क, स्वयं सेवक, साइन बोर्ड की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में डीडीसी अनन्या मित्तल, एसडीओ लोकेश मिश्रा, एसएसपी अनंश गुप्ता, सभी आरओ एवं कोषांग के वरीय प्रभारी-नोडल पदाधिकाी शामिल हुए।

वनरेबल बूथ की मैपिंग की



फिर होगी जांच

सभी आरओ को बूथों में वनरेबिलिटी मैपिंग की फिर से जांच कर इससे संबंधित रिपोर्ट 4 नवंबर तक देने का निर्देश डीसी ने दिया है। बूथ मैनेजमेंट प्लान बनाया गया है कि नहीं सभी आरओ चेक कर लें। मतदाता सूची में नाम जो?ने, सुधार आदि से संबंधित आवेदनों को जल्द से निष्पादित करने का निर्देश दिया। जिस बूथ पर 10 प्रतिशत से कम वोटिंग हुई है, उसकी जांच

संबंधित आरओ करें और इसकी रिपोर्ट दें। कलस्टर मैनेजमेंट प्लान और फोटो वोटर स्लिप डिस्ट्रीब्यूशन प्लान भी देने का निर्देश आरओ को दिया गया। वहीं, मतदान के प्रति जागरूकता के लिए स्वीप एक्टिविटी को ब?ने, सी-विजील ऐप, वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का भी निर्देश दिया।

होर्डिंग्स रिमूवल प्लान होगा तैयार

झाविमो ने 10 नवंबर तक मांगी संभावित प्रत्याशियों की सूची

रांची। आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड की विपक्षी पार्टियों के बीच महागठबंधन का स्वरूप अबतक स्पष्ट नहीं हुआ है। इससे इतर चुनाव की तैयारियों से लेकर प्रत्याशियों के चयन तक की प्रक्रिया दलों ने शुरू कर दी है। राजद ने जहां आठ सीटों पर अपनी दावेदारी पूर्व में ही जता दी है, वहीं झाविमो ने बुधवार को प्रत्याशियों के चयन के लिए केंद्रीय कमेट्री गठित कर दी है। कमेट्री में 31 पदधारियों को शामिल किया गया है। झाविमो सुप्रीमो बाबूलाल मरांडी ने कमेट्री में शामिल पदधारियों को संभावित उम्मीदवारों की सूची 10 नवंबर तक पार्टी मुख्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इससे पूर्व चार नवंबर को कमेट्री की बैठक बुलाई है।

धनबाद, गिरिडीह, बोकारो, चतरा, पाकुड़ तथा साहिबगंज जिले से संबद्ध विस क्षेत्रों के लिए प्रत्याशियों के चयन की जवाबदेही विनोद शर्मा, आश्रिता कुजूर, संतोष कुमार, अंजुला मुर्मू, विजय तिवारी और विजय ठाकुर को सौंपी गई है। इसी तरह देवघर, दुमका, गोड्डा और जामताड़ा की कमान संरोज सिंह,



सुनीता सिंह, मोड़न अंसारी, बीरेंद्र हांसदा और रामदेव सिंह भोगता को सौंपी गई है। इससे इतर हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़ एवं लातेहार का जिम्मा सुरेश यादव, शोभा यादव, शरीफ अंसारी, आलोक वाजपेयी तथा जटाशंकर पांडेय को दी गई है।

बाबूलाल ने इसी तरह गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा तथा खुटी का जिम्मा खालिद खलील, संजय टोप्यो, अशोक वर्मा, संपति देवी

और सूरज टोप्यो को, गढ़वा, पलामू, रांची ग्रामीण व महानगर की जवाबदेही अभय सिंह, रामनाथ सिंह, राजेश गुप्ता, दुर्गाचरण प्रसाद तथा विवेकानंद राय, जबकि जमशेदपुर महानगर व ग्रामीण के अलावा चाईबासा और खरसावां से जुड़े विस क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के चयन का जिम्मा सुदेश्वर मुंडा, भूपेंद्र सिंह, दयानंद राम, जीतेंद्र कुमार रिकू तथा सुचिता सिंह को सौंपी है।

इक्फाई यूनिवर्सिटी में 20 टॉपर्स को मिलेगा गोल्ड मेडल



रांची। इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड की स्थापना के एक दशक बाद फर्स्ट कनवोकेशन पांच नवंबर को होने जा रहा है। इस समारोह की मुख्य अतिथि गवर्नर सह चांसलर द्रौपदी मुर्मू होंगी। इस समारोह में वर्ष 2019 में यूजी और पीजी पास आउट स्टूडेंट्स को उपाधि प्रदान की जाएगी। 20 टॉपर्स को बतौर मुख्य अतिथि द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। वहीं यूनिवर्सिटी में संचालित कोर्सों के 200 पास आउट स्टूडेंट्स को डिग्री प्रदान की जाएगी। बताते चले कि इक्फाई यूनिवर्सिटी की 2009 में स्थापना हुई थी। वर्तमान में 13 यूजी और पीजी के एंजुकेशन प्रोग्राम संचालित किए जा रहे हैं। इधर, कुलपति प्रो. ओ.आरएस राव की मॉनिटरिंग में दीक्षांत समारोह की तैयारी शुरू कर दी गई है।

नई नियमावली से समाप्त हो जाएगी हजारों पारा शिक्षकों की नौकरी : संघर्ष मोर्चा

रांची। एकीकृत पारा शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने कहा है कि झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा बनाई गई नई नियमावली अगर लागू हुई तो हजारों पारा शिक्षकों की नौकरी समाप्त हो जाएगी। मोर्चा ने बुधवार को मुख्यमंत्री रघुवर दास को भेजे गए पत्र में आशका व्यक्त की है कि ऐसा लगता है जैसे उन्हें नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से ही ऐसी नियमावली का ड्राफ्ट बनाया गया है। पारा शिक्षकों ने जेईपीसी को अपने सुझाव भी भेजे हैं। मोर्चा के विनोद बिहारी महतो, हृषिकेश पाठक, प्रमोद कुमार, दशरथ ठाकुर, मोहन मंडल और प्रद्युम्न कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में अपने कई सुझावों को शामिल किया है। गोरतलब है कि नियमावली निर्माण के लिए गठित उच्च स्तरीय कमेट्री ने 25 अक्टूबर को नियमावली का ड्राफ्ट जेईपीसी के वेबसाइट पर अपलोड कर 10 नवंबर तक पारा शिक्षकों और अन्य व्यक्तियों से सुझाव मागे थे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के मौके पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन 31 को

रांची। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के मौके पूरे देशभर में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत रांची जिला प्रशासन की ओर से सैनिक मार्केट से अलबर्ट एक्का चौक तक रन फॉर यूनिटी का आयोजन होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री रघुवर दास करेंगे। सुबह 8 बजे सैनिक मार्केट से शुरू होकर अलबर्ट एक्का चौक पहुंचने पर सुबह 8.50 बजे मुख्यमंत्री प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। रन फॉर यूनिटी में वे खुद भी सैनिक मार्केट से अलबर्ट एक्का चौक तक जाएंगे।



3000 स्कूली बच्चों के शामिल होने की उम्मीद
दौड़ में शहर के विभिन्न स्कूलों के 3000 से ज्यादा बच्चे रन फॉर

यूनिटी में हिस्सा लेंगे। इसके लिए स्कूलों को आमंत्रित किया गया है। वहीं, आम लोग भी इस दौड़ में शामिल हो सकेंगे।

मछली मरने के बाद शुद्धिकरण के लिए एक लाख गैलन गंगाजल डाला जाएगा

रांची। चडरी तालाब (लाइन टैंक) में पिछले दिनों ऑक्सीजन की कमी होने की वजह से हजारों मछलियां मर गई थी। इस वजह से तालाब का पानी भी दूषित हो गया था। पानी से दुर्गंध भी आ रही थी। इसे देखते हुए चडरी सरना समिति की ओर से तालाब के शुद्धिकरण के लिए पटना के गंगा घाट से एक लाख गैलन गंगाजल मंगाया गया है। तालाब में गंगाजल डालकर उसे शुद्ध किया जाएगा, ताकि छठ ब्रतियों की पवित्रता बनी रहे। इधर, तालाब रूप से उपस्थित थे।



का पानी साफ करने के लिए नगर निगम की ओर से चूना और ब्लॉचिंग पाउडर डाला गया है। समिति के अध्यक्ष रवि मुंडा ने

बताया कि शहर के अन्य तालाबों में भी गंगाजल डालने की जरूरत हो तो समिति के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

युवाओं के दम पर 65 पार का लक्ष्य प्राप्त करेंगे : भाजपा

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा झारखंड प्रदेश की एक बैठक धुवां स्थिति मेफेयर बैकट हॉल में संपन्न हुई इस बैठक में प्रदेश के सभी पदाधिकारी 516 मंडल के अध्यक्ष सहित सभी जिलों के अध्यक्ष महामंत्री विशेष रूप से उपस्थित थे। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश के अध्यक्ष अमित कुमार ने की इस बैठक में विशेष रूप से भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह पूर्व युवा मोर्चा के प्रदेश के अध्यक्ष विनय चौबे राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य युवा मोर्चा के अशोक सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत आए अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं वंदे मातरम गीत एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी दीनदयाल उपाध्याय पर पुष्प चढ़ाकर शुरू की गई। बैठक में युवा मोर्चा को लिए गए कार्यक्रम की समीक्षा की गई और आने वाले विधानसभा में युवा मोर्चा को दी जाने वाली जिम्मेवारी पर चर्चा हुई कार्यक्रम की शुरुआत में रांची महानगर के अध्यक्ष सुप्रभात ने आए सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया एवं प्रदेश अध्यक्ष अमित कुमार ने विषय प्रवेश कराया। इस अवसर पर संगठन महामंत्री ने अपने संबोधन में कहा भाजपा की संभावना युवा मोर्चा में दिखती है। हम युवाओं के दम पर 65 पार का लक्ष्य प्राप्त करेंगे। इसके लिए युवा मोर्चा काम

भी कर रही है नव मतदाता सम्मेलन का आयोजन 15 जिलों में आयोजित की गई है जिसमें नए मतदाता जो प्रदेश की सभा मत का प्रयोग करेंगे वह सफल आयोजन युवा मोर्चा ने किया आकांक्षा पेटी जो नव झारखंड के निर्माण में पंचायत स्तर तक लोगों से राय ली गई यह कार्यक्रम युवा मोर्चा द्वारा पूरे प्रदेश के 450 मंडलों में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। लोगों की क्या आकांक्षाएं हैं सरकार से इसकी विस्तृत जानकारी पार्टी को प्राप्त हुई जिसे हम अपनी चुनावी मेनिफेस्टो में शामिल करेंगे इन सब सफल कार्यक्रम के बदौलत पार्टी का भरोसा युवा मोर्चा पर बढ़ा है आज हम कह सकते हैं भाजपा के सहयोगी में युवा मोर्चा की सबसे ज्यादा उपयोगिता साबित हुआ है झारखंड प्रदेश के युवा राष्ट्रवादी सरकार बनाना चाहती है झारखंड के विकास एवं झारखंड समृद्ध शाली बने इसके लिए हमें अपने बूथ को मजबूत बनाना होगा इसके लिए प्रत्येक मंडल में पंचायत स्तर पर युवाओं को जोड़कर कार्यसमिति की बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया विनय चौबे ने अपने संबोधन में कहा युवा जिस और चलता है जमाना उस और अंगड़ाई लेती है। सभी बूथ जीतने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है कांग्रेस ने निर्दलीय विधायक को



मुख्यमंत्री बनाकर यहां के खनिज संपदा को लुटने का काम किया रघुवर दास की 5 साल की शासन में एक भी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे जल जंगल जमीन की बात करने वाले आदिवासियों को लुटने का काम किया यह सब झारखंड के युवा जानते हैं। अमित कुमार ने कहा पार्टी के द्वारा जो दायित्व दिया जाएगा उसे निष्ठा पूर्ण करने का प्रयास होगा 65 प्लस का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हम युवा मोर्चा जी जान से काम करने के लिए तैयार हैं। सभी मंडलों में कार समिति की बैठक 6 तारीख से 16 तारीख के बीच सभी मंडलों में बूथ स्तर तक

मंडल सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया है। मंच का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील साहू ने किया धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश मंत्री वरुण तिवारी ने किया इस अवसर पर अभिषेक से राकेश चौधरी कुणाल यादव मंगल सिंह प्रताप कटिहार रूपेश सिन्हा सरोज उरांव मनीष दुबे किसलय तिवारी संजय पोद्दार निशिकांत चौहान स्वप्निल सिंह राहुल अवस्थी विजय सिंह दुध्यांत पटेल अंचल तिवारी गुड्डु घोष पप्पू ठाकुर पवन पासवान रणधीर दास अमन यादव पुनम साहू अभिषेक चौबे रितेश तिवारी सहित पूरे प्रदेश से 700 युवा मोर्चा के कार्यकर्ता

उपस्थित थे सभी आकांक्षा पेटी 450 जो सभी मंडलों में दिए गए थे। सभी आज एकत्रित कर लिए गए हैं या जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी संजय पोद्दार ने दी। रांची के सांसद संजय सेठ ने रांची लोकसभा के अंतर्गत इचागढ़ विधानसभा के विभिन्न जगहों पर सखी मंडल भवन के निर्माण एवं सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। सांसद निधि से कुल 8 जगहों पर बनने वाले डेढ़ करोड़ की लागत से इन सब का निर्माण किया जाना है। इस अवसर पर ईसागढ़ के विधायक साधु चरण महतो विशेष रूप से उपस्थित थे।

पति व ससुर पर विवाहिता को पीट-पीटकर हत्या करने का लगा आरोप

आक्रोशित मायके वालों ने दोनों आरोपियों को बनाया बंधक,शव के साथ पहुंचे रांची

अपराध संवाददाता
रांची। पति व ससुराल वालों पर दहेज के लिये महिला को पीट-पीटकर हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है।घटना बिहार के बाराचट्टी थाना क्षेत्र का है।मृतका रिकी देवी का मायके सुखदेव नगर अंतर्गत न्यू मधुकम रोड नंबर- पांच में है।घटना से आक्रोशित मृतका के परिजनों ने शव के साथ आरोपी पति रवि साव और ससुर सुरजदेव साव को बंधक बना साथ लेकर बुधवार को रांची पहुंचे और दोनों आरोपियों को पुलिस को सौंप दिया।परिजनों ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस से लिखित शिकायत की है।

मायकेवालों को पड़ोसियों ने दी घटना की जानकारी

मृतका के भाई मनोज साव ने कहा है कि घटना की जानकारी उन्हें आरोपियों के पड़ोसियों द्वारा दी गई थी। 29 अक्टूबर की शाम करीब



साढ़े आठ बजे उन लोगों को बाराचट्टी से कुछ लोगों ने मोबाइल पर कॉल कर पति व ससुराल वालों द्वारा बहन(रिकी) की हत्या करने की सूचना दी थी। जिसके बाद वह जब बहन के ससुराल पहुंचे तो देखा कि रिकी मृत अवस्था में लेटी हुई है।

दहेज के लिये प्रताड़ित करने का है आरोप

मृतका के भाई मनोज साव ने बताया कि उसकी बहन रिकी देवी की शादी सात-आठ वर्ष पूर्व गया जिला के बाराचट्टी में रहनेवाले रवि साव के साथ हिंदू रिति रिवाज के

साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों के बाद से ही पति व ससुराल वालों के द्वारा बहन को दहेज के लिये प्रताड़ित किया जाता था। जिसके कारण एक साल वह मायके में थी। इसके बाद इस मामले में कुछ लोगों द्वारा पंचायती कर आपसी समझौता करने के

बाद बहन को फिर ससुराल भेजा गया लेकिन इसके बाद भी बराबर दहेज के लिये बहन को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। आरोपी पति और ससुर फेरी कर बर्तन बेचने का कार्य करते हैं।

मृतका को सांप ने काटा-आरोपी

मृतका के आरोपी पति रवि साव और ससुर सुरजदेव साव ने मायके वालों को बताया कि रिकी देवी को शाम में जहरीला सांप ने काटा था। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतका को वह इलाज के लिये अस्पताल भी लेकर गये थे,जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत बता दिया। इसके बाद वह घटना की जानकारी मृतका के मायकेवालों को भी दिये।

अजित कुमार विमल, कोतवाली डीएसपी, रांची

रेलवे टिकट की काला बाजारी को लेकर छापामारी, कैफे संचालक गिरफ्तार

अपराध संवाददाता

रांची। राजधानी में रेलवे टिकट की ऑनलाईन काला बाजारी करने को लेकर आर पी एफ विजिलेंस की टीम ने बुधवार सुबह रातू रोड व अरगोड़ा सहित अन्य साइबर कैफे पर छापामारी की है। इस दौरान आरपीएफ की टीम ने स्थानीय थाना के सहयोग से सुखदेव नगर अंतर्गत रातू रोड स्थित न्यू अंवे इंटरप्राइजेज नामक साईबर कैफे में छापामारी कर टिकट की काला बाजारी कर रहे संचालक अंकित आनंद को रंगहाथ पकड़ा है। आरोपी संचालक पंडरा ओपी क्षेत्र स्थित आस्था रिसिडेंसी का रहनेवाला है।



सेप्टिक टैंक में गिरने से बच्चों की मौत

अपराध संवाददाता

रांची। नामकुम थाना क्षेत्र के कर्मटोली में खेलने के दौरान 6 साल का यशवीर कुमार नायक नामक बच्चे का सेप्टी टैंक में गिरने से मौत हो गई। मृतक शिवा नायक का बेटा था। परिजनों ने बताया कि सुबह 11 तक वह घर में टीवी देख रहा था। इस दौरान बिजली कट गई।जिसके बाद यशवीर बाहर अन्य बच्चों के साथ खेलने चला गया। काफी देर तक जब घर नहीं आया तो उसकी खोजबीन शुरू हो गई। बच्चे के नहीं मिलने पर अनेक तरह की बातें सामने आने लगीं कोई बच्चा चोरी करने की बातें करने लगा।किस्सी ने कहा बच्चा चोरी हो गया।मुहल्ले में सभी ने बच्चे की खोजबीन शुरू कर दी। खोजबीन के दौरान में एक बच्ची ने 2 बजे दिन में यशवीर के नानी घर के पीछे अर्धनिर्मित सेप्टीक टैंक के पास चप्पल होने की सूचना परिजनों को दी। खोजबीन में सेप्टी टैंक से बच्चे का शव मिला।बच्चे का शव निकालते ही परिजनों में कोहराम मच गया।जानकारी अनुसार बच्चे का पिता और बच्चे का नानी घर आसपास में ही है।

पुलिस महकमे में फेरबदल, 6 डीएसपी का तबादला

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर तबादले किए जा रहे हैं। अलग-अलग विभागों में ट्रांसफर पोस्टिंग के बीच बुधवार को राज्य के छह डीएसपी का तबादला किया गया है। गृह विभाग ने बुधवार को इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी। इसके मुताबिक राजकुमार मेहता को झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग से घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम का एसडीपीओ बनाया गया है।

कौन डीएसपी कहां गए
राजकुमार मेहता : झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग से एसडीपीओ घाटशिला, पूर्वी



सिंहभूम।
रणवीर सिंह : एसडीपीओ घाटशिला से बालूमाथ, लातेहार।
ओमप्रकाश : बालूमाथ लातेहार से जैप-7 हजारीबाग।
अजय कुमार-1 : मुख्यालय

सिमडेगा से बूँडू रांची।
सहदेव साव : विष्णुगढ़ हजारीबाग से मुख्यालय सिमडेगा।
अशोक रविदास : बूँडू रांची से विष्णुगढ़ हजारीबाग।

राजधानी में सजा छठ का बाजार



रघुवर सरकार ने खोला खजाना, आंगनबाड़ी वकर्स का मानदेय बढ़ा



रांची। राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी सेविका, लघु आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के मानदेय में वृद्धि की है। राज्य कैबिनेट ने बुधवार को मानदेय में वृद्धि के प्रस्ताव पर मुहर लगाई। आंगनबाड़ी सेविका और लघु सेविका के मानदेय में 500-500 रुपये की वृद्धि की गई है जबकि आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 250 रुपये बढ़ाया गया है। राज्य कैबिनेट ने शहरी निकाय के कर्मियों को सातवें वेतनमान का

लाभ देने सहित कुल 12 प्रस्तावों पर मुहर लगाई। मानदेय में वृद्धि के बाद आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 6400 रुपये, लघु सेविका का मानदेय 4700 रुपये और सहायिका का मानदेय 3200 रुपये हो जाएगा। राज्य कैबिनेट के इस फैसले का लाभ 35,881 आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं को मिलेगा। वहीं, सरकार के इस फैसले से 2551 लघु सेविका लाभान्वित

होंगी। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले के तहत कैबिनेट ने शहरी निकाय के कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने का निर्णय लिया है। यह एक अप्रैल 2019 से प्रभावी होगा। सरकार के इस निर्णय का लाभ दो हजार से अधिक शहरी निकाय के कर्मियों को होगा। सातवें वेतनमान का लाभ देने से राज्य सरकार पर 12 करोड़ रुपये से अधिक का सालाना वित्तीय बोझ पड़ेगा।

छठ महापर्व को लेकर बस और ट्रेनों में भारी भीड़

रांची। छठ महापर्व को लेकर बस और ट्रेनों में बुधवार को काफी भीड़ देखी गयी। बिहार और उत्तर प्रदेश के अधिकतर लोग छठ में गांव जाते हैं। ऐसे में रांची के बिरसा मुंडा बस स्टैंड (खागढ़ा), सरकारी बस डिपो, आईटीआई और धुवां बस स्टैंड में ज्यादातर बसों की सीट पहले से एडवांस में बुक हैं। 31 अक्टूबर से नहाय-खाय के साथ ही चार दिवसीय महापर्व छठ की शुरुआत हो जाएगी। इस कारण घर जाने वाले लोगों की भीड़ स्टेशन और बस स्टैंड पर दिख



रही हैं। बिहार और उत्तरप्रदेश जाने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों में रिजर्व व साधारण बागियों में अंतर करना मुश्किल हो गया है। मौर्या और गंगा दामोदर एक्सप्रेस में 200 वेटिंग से पार होने की वजह से यात्रियों को

काफी परेशानी हो रही है। जनरल बागी में भी पैर रखने की जगह नहीं मिल रही है। पटना, आरा, बलिया, सिवान, छपरा, गोपालगंज सहित अन्य जगहों की जानेवाली बसों में भी टिकट की मारा-मारी है।

कार्तिक बाबा से प्रेरणा लेकर राज्य के विकास के लिए काम कर रहे हैं : रघुवर

रांची/गुमला। स्वर्गीय कार्तिक उरांव अभियंता ही नहीं बल्कि समाज के संरचनात्मक गुरु थे। उन्हें आदिवासियों के मसीहा के रूप में पूजा जाता है। हम सभी कार्तिक बाबा से प्रेरणा लेकर राज्य के विकास के लिए काम कर रहे हैं। आदिवासी समाज के मसीहा कार्तिक बाबा के विचारों का सम्मान पूर्व में नहीं किया गया। कुछ लोगों ने कार्तिक बाबा और आदिवासियों के नाम पर राजनीति करते रहे हैं। इतने महान पंखराज बाबा कार्तिक उरांव जननायक के रूप में उभर कर आएँ उन्हें सम्मान देने का काम किसी ने नहीं किया। ये बातें मुख्यमंत्री रघुवर दास ने गुमला के बदरी गांव में स्वर्गीय कार्तिक उरांव की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कही। श्री दास ने कहा कि कार्तिक बाबा का सपना था कि आदिवासीए शोषित वंचित की जिंदगी में बदलाव लाना है। सरकार कार्तिक बाबा के सपने को साकार करने में जुटी है।



नृत्य और संगीत

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज ने अपनी संस्कृति को सहेज का सपना था कि आदिवासीए शोषित वंचित की जिंदगी में बदलाव लाना है। सरकार कार्तिक बाबा के सपने को साकार करने में जुटी है।

झारखण्ड की पहचान गीत,

खुद की संस्कृति बचाने हेतु उनकी मानसिकता को सिंचित करेगा। इस संस्कृति को नष्ट करने का बहुत प्रयास हुआ। लेकिन कभी न खंडित होने वाली संस्कृति आज भी अक्षुण्ण है और सदियों तक रहेगी। सरकार किसी भी धर्म की विरोधी नहीं। लेकिन अगर जबरन यह सब हुआ तो सरकार बाधक बनेगी। कार्तिक बाबा भी चाहते थे कि

धर्मांतरण कानून बने और वर्तमान सरकार ने इस कानून का अमलीजामा पहनाया। **शिक्षा विकास और समृद्धि का वादक** मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्तिक बाबा ने शिक्षा पर जोर दिया। वे चाहते थे कि समाज शिक्षित बने। क्योंकि शिक्षा के बिना विकास और समृद्धि की कल्पना करना व्यर्थ है। कार्तिक

बाबा के सपने को पूरा करने का प्रयास सरकार कर रही है। अगर आप और आपके बच्चे शिक्षित होंगे तो आप में जागरूकता आएगीए जागरूकता से आप में खुद के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। वर्षों से आपके शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा गया। वर्तमान सरकार आपके विकास को लक्ष्य मान कर कार्य कर रही है।

किसी को 5. 10 हजार के लिए राज्य छोड़ने की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को 5 . 10 हजार रुपये के लिए राज्य से बाहर जाने की जरूरत नहीं। वर्तमान सरकार यहां के युवाओं को हुनरमंद बनाकर राज्य में ही रोजगार दे रही है। गारमेंट्स यानी वस्त्र उद्योग में सरकार हजारों युवतियों को रोजगार दे रही है। क्षेत्र की बच्चियां भी खुदको हुनरमंद बनाएं। अगर कोई अनाथ है तो हम उन्हें में हुनरमंद बनाकर रोजगार देंगे। जिला के उपायुक्त इससे संबंधित सूची

तैयार करें। अनाथ का नाथ रघुवर दास बनेगा।

योजनाओं से जनता को अवगत कराएं

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अपने भाषण के दौरान कहा कि सरकार की विकास योजनाओं से जनता को जागरूक करें और इसका लाभ उनको मिले यह तय करें। इस अवसर पर स्वर्गीय कार्तिक उरांव स्मृति खेलकूद प्रतियोगिता में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 32.32 टीमों ने भाग लिया था, जिसमें विजयी टीमों को आयोजन समिति के द्वारा पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष दिनेश उरांवए राज्य सभा संसद समीर उरांव, पद्मश्री अशोक भगत, उपायुक्त गुमला श्री शशि रंजन, पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा, एसडीपीओ नागेश्वर प्रसाद सिंह, चंद प्रजापति, भिखारी भगत, कमलेश उरांव, अशोक उरांव, तेम्बू उरांव सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

लाखों रुपए के गहने व जेवरात से भरे बैग को पुलिस ने ढूंढ निकाला

अपराध संवाददाता

रांची। कांके रोड से आँटो से जा रही महिला का बैग लाखों रुपए के गहने व नगदी से भरा बैग 29 अक्टूबर को खो गया था। इस बैग को कोतवाली पुलिस ने 12 घंटे के अंदर ढूंढ निकाला और महिला को उसका सारा सामान सुरक्षित लौटा दिया। जानकारी के अनुसार घटना 29 अक्टूबर के दिन की है। गोंदा थाना क्षेत्र के टिकरी टोला की रहने वाली माधवी प्रदीप अपने आवास से अपनी बहन के घर डीएवी हेल्थ जूनियर विंग के पास शाम चार बजे आँटो से जा रही थी। उनके पास एक हैंड बैग था। जो किशोरी यादव चौक के पास आँटो से उतरने के दौरान कही खो गया। उस हैंड बैग में एक सोने का चेन, सोने का लॉकेट, सोने की अंगूठी, नगद 12 हजार, मोबाइल फोन और घर की चाबी थी। इसकी सूचना माधवी प्रदीप ने तुरंत कोतवाली पुलिस को दी। कोतवाली थानेदार बृज कुमार ने तुरंत उक्त आँटो को खोजने के लिए माइक गाड़ी को लगाया। कुछ ही घंटे के बाद उक्त आँटो को ढूंढ निकाला गया, जिसमें माधवी प्रदीव का हैंडबैग था। फिर उन्हें थाने बुलाकर उनका हैंडबैग उन्हें लौटा दिया गया।

अहले सुबह राजधानी में छाया रहा कुहासा



सभागार में दिया गया। नोडल पदाधिकारी श्री सतीश चन्द्र ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2019 की घोषणा होने के पश्चात यह एप कार्यरत हो जाएगा। एप के माध्यम मिलने वाली शिकायतों पर 30 मिनट में कार्यवाई प्रारंभ कर दिया जाएगा। उन्होंने सभी विलेज लेवल ईन्यूमेरेटरों से कहा कि वे अपने अपने मोबाइल में इस एप को डाउनलोड कर लें एवं इसके इस्तेमाल की पूरी प्रक्रिया को समझ लें। प्रशिक्षण के दौरान डीपीओ (यूआईडी) अमित कुमार ने एप के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सभी विलेज लेवल ईन्यूमेरेटर तकनीक इस एप को डाउनलोड करें। चुनाव की घोषणा होते ही यह एप कार्यरत हो जाएगा। साथ ही अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक आम जनता एवं स्टैकहोल्डर्स से एप को उनके मोबाइल फोन पर डाउनलोड कराएं। उन्होंने कहा कि एप को सर्वाधिक डाउनलोड कराने वाले तीन विलेज लेवल ईन्यूमेरेटर को सम्मानित किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

भक्ति जागरण में झूमे श्रद्धालु



झुमरीतिलैया। कोडरमा रेलवे स्टेशन काली मंदिर के तत्वाधान में मंगलवार की रात्रि भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। इसके उपरांत ध्वजाधारीधाम के महंत सह महामंडलेश्वर सुखदेव महाराज ने फीता काटकर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भक्ति में ही शक्ति समाहित है। जागरण जैसे आयोजनों से जहां लोग भजन सुनकर मंत्र मुक्त होते हैं वही घंटों तनाव से मुक्ति भी मिलती है। उन्होंने काली पूजा की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की शुरुआत दीपक सिंह ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर की। इसके उपरांत बनारस से आए बाल कलाकार कन्हैया पांडे, बगीसा पांडे एवं हरि प्रिया पांडे ने जय काली जय काली मां, छठी मैया की महिमा अपार, में तेरा लाडला आदि भजनों को प्रस्तुत कर श्रद्धालु भक्तों को खूब झुमाया। वहीं मुकेश कुमार, खुशबू सोनकर और आनंद सिंह ने विभिन्न देवी-देवताओं पर आधारित भजनों पर श्रद्धालु भक्तों को खूब झुमाया। इस अवसर पर मंच संचालन रितेश लोहानी ने किया। पूजा अर्चना पंडित विजय उपाध्याय ने कराई। मौके पर समिति के अध्यक्ष विक्री सोनकर, मुन्ना सिंह, कोडरमा स्टेशन प्रबंधक एमके सिंह, एमके महाराज, बबलू पांडेय, मिलन चक्रवर्ती राम जी पंडित, आलोक पांडेय, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह, जिला महामंत्री अजय वर्मा, अनेकों श्रद्धालु उपस्थित थे।

लोगों के बीच ईवीएम-विविपैट की दी गई जानकारी



मेदिनीनगर। उपायुक्त- सह- जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. शांतनु कुमार अग्रहरि के निर्देश पर बुधवार को पलामू जिले के विभिन्न प्रखंड के पंचायतों में लोगों के बीच वोट देने के प्रति जागरूक किया गया। हैदरनगर प्रखंड के बरवाडीह पंचायत में ईवीएम तथा वीवीपैट की जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी के आदेश पर मतदाता जागरुकता अभियान(स्वीप) के तहत मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को जागरुक करने के उद्देश्य से ईवीएम तथा वीवीपैट मशीनों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में ईवीएम तथा विविपैट का व्यापक प्रचार-प्रसार और निर्वाचकों को जागरुक किया गया। इसके लिए प्रतिनिधुक्त पर्यवेक्षक तथा कर्मियों ने मतदाताओं और आमलोगों को इस विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मतदान के दौरान मतदाताओं को सभी शंकाओं के समाधान के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वीवीपैट नामक एक नई यूनित जोड़ा गया है। जिससे मतदान के दौरान मतदाताओं द्वारा डाले गए वोट की एक पर्ची सात सेकेंड के लिए मतदाताओं को वीवीपैट मशीन पर दिखाई देगी। इसमें उम्मीदवार का क्रमांक, उसका नाम और चुनाव चिन्ह दिखाई देगा। जिससे मतदाता उस पर्ची को देखकर संतुष्ट हो सकेगे कि उनके द्वारा दिया गया मत सही व्यक्ति के पक्ष में ही गया है। मतदाताओं को अपने मतार्थिकार का अनिवार्य रुप से उपयोग कर अधिक से अधिक संख्या में मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा उक्त कार्यक्रम में लोगों के द्वारा माँक पोल भी किया गया।

गरीबों के लिए क्रांतिकारी साबित हुई है उज्जवला योजना

गिरिडीह: उज्ज्वला योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए क्रांतिकारी योजना साबित हुई है। इससे महिलाओं को स्वच्छ ईंधन सुलभ हो गया और धुआं रहित ईंधन के प्रयोग से महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक प्रभाव पड़ा।उक्त बातें जम्‍मुआ के विधायक केदार हजरा ने बुधवार को जम्‍मुआ के चचघरा में ड्रेडन गेस वितरक एजेंसी का उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।यहां उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहतरीन योजना है।इससे जंगल की लकड़ियों की जलावन के लिए कटाई एवं कच्चे कोयले की दैनिक घरों में ईंधन के रूप में उपयोग बन्द हुआ।उन्होंने कहा प्रधानमंत्री युग पुरुष हैं।उनके द्वारा किये गए एक एक कार्य अद्वितीय है।कहा आज पूरी दुनियां में भारत की प्रतिष्‍ठ व साख बढ़ी है।कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय मुखिया धनुषधारी वर्मा एवं सन्‍चालन नागेश्‍वर वर्मा ने किया। कार्यक्रम में जे वी एम नेता कैलाश मण्‍डल,प्रवीण वर्मा,दीपक वर्मा,राजद नेता बलराम बर्मा सहित कई लोगों ने सम्‍बोधित किया।गैस एजेंसी की सी ई ओ गुड्डिया देवी ने कहा कि आमजनों को समय पर और सही कीमत पर गैस उपलब्‍ध करवाना उनकी प्राथमिकता होगी।कहा कि बेहतर सुविधा ग्राहकों को उपलब्‍ध कराने की दिशा में हमारा प्रयास हमेशा सर्वोपरि रहेगा। मौके पर मदन बर्मा , गौरी शंकर वर्मा, डॉ अनु वर्मा, डॉ प्रभात अग्रवाल , बैंक ऑफ इंडिया प्रबंधक गौरव कुमार उपस्थित थे।

पांकी में महिलाओं ने निकाली कमल कलश यात्रा

मेदिनीनगर। पांकी भाजपा महिला मोर्चा के मीडिया प्रभारी मंजुलता ने बुधवार को कमल कलश यात्रा निकाली। रैली में पांकी विधानसभा के सभी प्रखंडो से बड़ी संख्या में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित बहनों ने हिस्सा लिया।कमल कलश यात्रा कर्पूरी चौक,शाहिद भगत सिंह चौक,अम्बेडकर चौक बाजार होते पुनः कर्पूरी चौक पहुँचकर समाप्त हुई। रैली में शामिल लोगों ने अबकी बार 65 पार, भारत माता की जय,भाजपा जिन्दाबाद,मोदी रघुवर जिन्दाबाद के जमकर नारे लगाए। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंजू लता ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के कारण आज गरीबो के चेहरे पर मुस्कान है।केंद्र एवं राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे गरीबों के घर तक पहुँचा है चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना हो,उज्ज्वला योजना हो,आयुष्मान भारत हो,उन्नाला योजना हो,एक रुपये में महिलाओं के नाम जमीन की रजिस्ट्री हो ऐसी दर्जनाधिक योजनाओं का लाभ लोगों को मिला है।उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में भाजपा की लहर नही तूफान चल रहा है।अबकी बार 65 पार के नारे को झारखंड की जनता साकार करेगी और झारखंड के विकास पुरुष आदरणीय रघुवर दास के कुशल नेतृत्व में पुनः झारखंड में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

शहर के विभिन्न छठ तालाबों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

साफ-सफाई, प्रकाश, बैरिकेटिंग, यातायात आदि व्यवस्था हो: उपायुक्त

हजारीबाग:छठ महापर्व- 2019 को लेकर उपायुक्त भुवनेश प्रताप सिंह ने बुधवार को शहर के विभिन्न छठ तालाबों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हजारीबाग शहर में कई छठ तालाब हैं जहां बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। इसलिए छठ तालाबों की साफ-सफाई, सहित समुचित व्यवस्था चुस्त दुरुस्त होना आवश्यक है।

इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ समन्वय स्थापित कर छठ समिति बनाने तथा तालाबों के दुषित होने वाले कारकों का पहचान कर उनके सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही। मौके पर उन्होंने तालाबों की साफ-सफाई,



बैरिकेटिंग, प्रकाश व्यवस्था, विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, सीसीटीवी, गोताखोर, नौका से निरीक्षण आदि से संबंधित आवश्यक निर्देश दिये।

इस दौरान उपायुक्त शहरी क्षेत्र के छठ तालाब, बुढ़वा

एसडीओ ने अनुमंडल कार्यालय में किया कंबल वितरण



छतरपुर (पलामू): उपायुक्त सह- जिला दंडाधिकारी डॉ शांतनु कुमार अग्रहरि के निर्देश पर आज छतरपुर अनुमंडल कार्यालय में शिविर लगाकर गरीबी रेखा से नीचे दिव्यांग, विधवा तथा बंधुआ मजदूरी से मुक्त लोगों के बीच 100 कंबल का वितरण किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी नरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने छतरपुर, नौडीहा बाजार, पिपरा तथा हरिहरगंज प्रखंड के सभी मुखिया को प्राप्त कंबल कैप में वितरण करने का निर्देश दिया है। जारी किए गए पत्र में उन्होंने कहा है कि प्रखंड कार्यालय से वितरण हेतु कंबलों को अत्यंत गरीब, असहाय, लाचारज् दिव्यांग तथा आदिम जनजाति के लोगों के बीच वितरण किया जाना है। उन्होंने सभी मुखिया को आगले

2 दिनों के अंदर प्रखंड कार्यालय से प्राप्त कंबल को

लोगों के बीच वितरण करने का निर्देश दिया है। छतरपुर अनुमंडल पदाधिकारी नरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि सरकार की यह कल्याणकारी योजना से जरूरतमंद लाभान्वित हो रहे है। समय से पूर्व कंबल मुहैया कराया जाना सरकार पहल सराहनीय है। बताते चलें कि पूरे पलामू जिले उपायुक्त- सह-

जिला दंडाधिकारी डॉ शांतनु कुमार अग्रहरि के निर्देश पर 66150 कंबलों का वितरण किया जाना है। इस निर्देश के आलोक में मंगलवार को पड़वा प्रखंड अंतर्गत गाड़ी खास पंचायत में भी अत्यंत गरीब,

असहाय, लाचार, दिव्यांग तथा आदिम जनजाति लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्रेम की भावना बढ़ती है : मुमताज



मेदिनीनगर। पलामू जिले के मनातू प्रखंड के नौडीहा पंचायत के गढ़वट गांव में लक्ष्मी पूजा के शुभ अवसर पर विद्यालय प्रांगण से कई प्रकार की सीख भी मिलता है । कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में आज भी लोग मूलभूत सुविधा से वंचित है । कई जगह पर उन्होंने निजी खर्चा कर लोगों को सुविधा पहुंचाने का काम किया। उन्होंने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में विकास के नाम पर सिर्फ झुंय ढिंडोरा पीटा जा रहा है। ऐसे नेताओं से जनता को सावधान रहने की जरूरत है।

ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से लोगों बीच आपसी प्रेम बढ़ता है। लोगों को सांस्कृतिक कार्यक्रम से कई प्रकार की सीख भी मिलता है । कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में आज भी लोग मूलभूत सुविधा से वंचित है ।

कई जगह पर उन्होंने निजी खर्चा कर लोगों को सुविधा पहुंचाने का काम किया। उन्होंने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में विकास के नाम पर सिर्फ झुंय ढिंडोरा पीटा जा रहा है। ऐसे नेताओं से जनता को सावधान रहने की जरूरत है।

महादेव तालाब, मीठा तालाब, खजांची तालाब, झील एवं ओरिया आदि तालाबों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिये।

वहीं मेन रोड स्थित छठ तालाब के पानी अत्यधिक दुषित होने के कारण स्वास्थ्य

मेयर ने सैकड़ों छठ व्रतियों के बीच किया पूजा सामग्री का वितरण



चंद्रदेव प्रजापति

मेदिनीनगर : पलामू चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में और अध्यक्ष आनंद शंकर के मार्ग दर्शन में आज स्थानीय शिवाजी मैदान में एक कार्यक्रम आयोजित कर सैकड़ों छठव्रतियों के बीच आम की लकड़ी, सुप, नारियल एवं अन्य पूजन सामग्रियों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद नगर निगम मेदिनीनगर की मेयर अरूणा शंकर ने छठव्रतियों के बीच आम की लकड़ी और अन्य पूजन सामग्रियों का वितरण

करते हुए इसे सर्वाधिक पुण्य का काम बताया। मेयर श्रीमती शंकर ने पलामू चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज की इस पहल की सराहना की।

उन्होंने नगर निगम क्षेत्र के विकास की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि मेदिनीनगर को अपने घर-आंगन की तरह सजाना-संवारना है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के विकास में नगर आयुक्त मजबूत कड़ी के रूप में काम कर रहे हैं। उनके प्रयास से निगम को अवश्य ही नया रूप मिलेगा।

मेयर ने इस अवसर पर नगरवासियों को छठ की शुभकामनाएं भी दीं। इस मौके पर

सांसद ने लोगों की सुनी जन समस्या, समाधान का दिया आश्वासन

धनबाद/कतरास । गिरिडीह के लोकसभा सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी आज तेतुलमारी क्षेत्र का दौरा कर लोगों से रूबरू होते हुए उनकी जन समस्यायों को सुना,लोगो ने भी अपनी समस्यायों को सुनाते हुए समस्या समाधान हेतु एक ज्ञापन भी सौंपा,मौके पर पहुंचे।

युवा समाज सेवी दीपेश चौहान ने शारीरिक रूप से अपंग जीरो सिम निवासी राजेश चौहान,की बात करते हुए उसे विकलांगता कोटा से स्कूटी दिलाने की बात कही दीपेश चौहान ने बताया कि राजेश अपने दोनों पैरों से लाचार है।

बिगत के वर्षों से स्कूटी के लिए दर दर भटक रहा है और इसकी आर्थिक स्थिति भी बहुत कमजोर है,साथ ही पानी, बिजली, सड़क जैसे अति महत्वपूर्ण विषयों से सांसद को अवगत कराया उन्होंने हर समस्या को जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही हैं ।

हूरलौंग में ग्रामीणों के सहयोग से डॉ. मेहता ने कराया सड़क की मरम्मत

मेदिनीनगर । पलामू जिले के पांकी प्रखंड के हूरलौंग गांव में पंचायत भवन से लेकर बथानटोला तथा छठ घाट तक जाने वाले सड़क की खराब स्थिति देख भाजपा नेता कुशवाहा डॉं शशि भूषण मेहता ने ग्रामीणों के सहयोग से सड़क की मरम्मत कार्य करवाया। करीब 1 किलोमीटर तक जेसीबी व ट्रैक्टर के सहयोग से सड़क पर मोरम डालकर उसे मरम्मत की गई।

सड़क की मरम्मत कार्य होने से बथानटोला के ग्रामीणों के अलावे छठ व्रतियों में काफी हर्ष है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत भवन से लेकर बथानटोला व ममराया छठ घाट तक जाने वाला सड़क काफी जर्जर होने के कारण आवागमन करने में काफी परेशानी होती थी।

कई बार ग्रामीणों ने सड़क की मरम्मत कराने के लिए स्थानीय मुखिया व विधायक से कई बार गुहार लगा चुके थे, इसके

विकास के मामले में हुसैनाबाद को बनाएंगे अत्तल : कमलेश

मेदिनीनगर। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड के अति सूदूरवर्ती गांव अमही में मंगलवार को रजवार समाज ने शानदार दुगोला कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि विनय कुमार सिंह उर्फ बिनु सिंह जी , युवा नेता सूर्या सिंह शामिल हुए।अतिथियों ने फीता काटकर महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। गायक सिरजानंदन पाण्डेय एवं श्री उमाकांत मिश्रा के बीच शानदार मुकाबला हुआ।

इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में दोनों गायकों ने एक से बढ़ कर एक भोजपुरी गाने गाकर श्रोताओं से खूब वाहवाही लूटी। पूर्व मंत्री सह राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह जी ने कहा कि महोत्सव के आयोजन में स्थानीय कलाकारों को कमेटी ने आमंत्रित कर बहुत ही बढ़िया कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय

कलाकारों को प्रेरित नहीं किया जायेगा तो उनकी प्रतिभा में निखार नहीं आयेगा। यही कलाकार आगे चलकर क्षेत्र व राज्य का नाम रौशन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका हमेशा प्रयास रहता है कि हरेक क्षेत्र में हुसैनाबाद नंबर वन बना रहे। खेल, सांस्कृतिक प्रतिभा, पढ़ाई लैखाई व विकास के मामले में हुसैनाबाद हरिहरगंज राज्य में नंबर वन बनेगा। गांव की कमेटी व सभी समाज के लोगों ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया।

मौके पर युवा नेता सूर्या सिंह जी ने कहा कि राजनीति क्षेत्र के विकास की होनी चाहिए। जात धर्म की राजनीति से क्षेत्र व देश का विकास अवर्द्ध होता है। उन्होंने कहा कि सभी को अच्छा अस्पताल, स्कूल, सिंचाई की व्यवस्था , सड़क आदि चाहिए। यह तभी संभव है, जब सभी लोग जात पात से उपर उठकर अपना मतदान करेंगे। कार्यक्रम का संचालन राजु सिंह जी ने किया।

संपादकीय

यूरोपीय सांसदों को कश्मीर दौरा

कश्मीर से अनच्छेद 370 हटने के बाद से पड़ोसी देश पाकिस्तान इस मुद्दे को लगातार विश्व मंच पर उठा रहा है। वहां मानवाधिकारों के उल्लंघन का भारत पर झूठा आरोप लगा रह है। यह बात अलग है कि विश्व मंच पर वह मुंह की खा रहा है इसके बावजूद वह इस तरह की हरकत से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान को दुनिया के सामने एक बार फिर बेनकाब करने के लिए ही भारत सरकार ने यूरोपीय सांसदों के 23 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल को कश्मीर का दौरा करने की इजाजत दी है। यूरोपीय सांसद कश्मीर पहुंच भी गए हैं। इस बीच यूरोपीय सांसदों के कश्मीर प्रवास को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। प्रमुख विपक्षीय पार्टी कांग्रेस ने इस दौरे को लेकर केन्द्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस का कहना है कि भारतीय सांसदों को कश्मीर का दौरा करने की इजाजत नहीं दी गई। यह भारतीय संसद का अपमान है। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कुछ विपक्षीय पार्टियों के सांसद कश्मीर के हालात का जायजा लेने श्रीनगर गए थे। जिसे हवाई अड्डे से ही वापस भेज दिया गया था, इस बारे में जम्मू कश्मीर प्रशासन ने स्पष्टीकरण दिया था कि इन नेताओं के कश्मीर दौरे से कश्मीर के हालात बिगड़ सकते हैं। इसके बाद कांग्रेस नेता गुलाम-नबी-आजाद को भी कश्मीर का दौरा करने की अनुमति नहीं दी गई थी। जिसे लेकर कांग्रेस सहित सभी विपक्षीय दलों ने सरकार पर कई आरोप लगाए थे। अब चुंकि सरकार ने यूरोपीय सांसदों को कश्मीर का दौरा करने की इजाजत दे दी है तो विपक्षी दलों ने फिर से केन्द्र सरकार पर हमला करना शुरू कर दिया है। इस मामले पर राजनीति ठीक नहीं है। कश्मीर एक संवेदनशील मुद्दा है। इसे लेकर पाकिस्तान दुनिया भर में भारत के खिलाफ जो दुष्प्रचार कर रहा है, उसके जवाब में यूरोपीय सांसदों को कश्मीर दौरा एक बड़ी कुटनितिक पहल है। यूरोपीय सांसदों के दौरे के बाद पूरी दुनिया में यह संदेश जाएगा कि 370 खत्म होने के बाद कश्मीर में हालात सामान्य है वहां केन्द्र सरकार के खिलाफ कोई असंतोष नहीं है। यदि ऐसा हुआ तो पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश हो जाएगा और यह भारत की एक बड़ी कुटनीतिक जीत कहलाएगी।

विचार

बगदादी का खेल खत्म

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को औपचारिक रूप से ऐलान किया कि आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के सरगना अबू बकर अल-बगदादी को मार गिराया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को औपचारिक रूप से ऐलान किया कि आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के सरगना अबू बकर अल-बगदादी को मार गिराया गया है। बगदादी के मारे जाने के दावे पहले भी किए जा चुके हैं और रूस को अब भी इस पर यकीन नहीं है। लेकिन जब ट्रंप ने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इसकी पुष्टि की है तो अविश्वास का कोई कारण नहीं है। ट्रंप के अनुसार अमेरिकी सेना के स्पेशल कमांडोज ने सीरिया के इदल्लिब प्रांत के सुदूर गांव बाय्रिशा में शनिवार की रात बगदादी के खिलाफविशेष ऑपरेशन चलाया। पूरी तरह घिर जाने के बाद बगदादी ने धमाका करके खुद को उड़ा लिया। इस तरह बगदादी भी उसी तरह की कार्यवाई में मारा गया जिस तरह ओसामा बिन लादेन मारा गया था। बगदादी लादेन से बहुत प्रभावित था और उसी के नक्शेकदम पर चलते हुए उसकी मौत का बदला लेना चाहता था। इस तरह दुनिया को दो खूंखार आतंकियों से मुक्ति मिली जिन्होंने अपने खुनी खेलों से पूरी मानवता को धर्य दिया था। इस्लामी आतंकवाद का घृणित मुखवा उनके कारण ही शुरू हुआ। उनके कृत्यों से इस्लाम की उदारवादी छवि कमजोर पड़ी और कई मुल्कों में मुस्लिम समुदाय को सदिग्ध छवि का शिकार होना पड़ा। बगदादी असल में वहाबी विचारधारा से प्रेरित था जिसका उद्देश्य दुनिया में इस्लामी उम्तूलों पर आधारित मध्यकालीन राज्य की पुनर्स्थापना बताया गया। उसने खुद को खलीफा घोषित किया और सीरिया-इराक के कई इलाकों पर अपना शासन चलाया। बगदादी का मकसद एक माँडल इस्लामी राज्य कायम करके धीरे-धीरे उसका प्रसार करना था। लेकिन यह उसका सैद्धांतिक पहलू था। व्यवहार में वह पश्चिम एशिया की शिया-सुन्नी राजनीति की पैदाइश था। शियाओं के खिलाफउस एक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया गया।

कविता

कुछ तो खाली रह गया था

इस लम्बे सप्ताह में साथ तुम्हरे कोई और भी था,
हर ठेकपर पर सन्मालने वाला कोई और भी था।
फिरती ही बरसातों ने कोशिशें की डरने की,
हर पर असमान उठने वाला कोई और भी था।
हर मोड़ पे कोई जग कोई छेड़ कर जात ही रख,
दूर मंजिल तलक निगलने वाला कोई और भी था।
जिसे भी आपना कस,सबने ही बेगनाा कर दिया,
नाए रिश्तों को सवारने वाला कोई और भी था।
कुछ तो खाली रह गया था तुम्हारे खुद के खेने में,
तुम्हे खुद से ही मिलाने वाला कोई और भी था।

सलिल सरोज
कार्यकारी अधिकारी, लोक सभा सचिवालय, संसद भवन नई दिल्ली

पाठकों की बात

मेरी यादों में तू रहता

मेरी यादों में तू रहता है मेरे ख्वाबों में तू रहता है मेरी रातों में तेरी हो महक रहती है मेरे पहलू में तेरा ही साया रहता है मेरी सोच मेरी रूह में बस तू ही तू बसता है मेरे सीने में बस एक तेरा ही नाम धड़कता है मुझमे बस तू ही तू बसता है।

- डेजी जायसवाल

कोई कैद में खुद के

कोई कैद में खुद के सपनों के, कब तलक जी पाएगा! वो ऊब कर जीते-जीतें आखिर, धीरे-धीरे मर जाएगा।। इंसानियत की आँखें हो गईं, पथरीली इस आस में, आखिरश! इन्साफ की बस्ती, में कोई इंसा आएगा।।

- कुमार सोनल

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

..खास प्णती.. चलो आज फिर दिए जलाए

चलो आज फिर दिए जलाएँ, मान का सम्मान का।
प्रतिष्ठ के प्रतिमान का। चलो आज फिर दिए जलाएँ।
विवेक और ज्ञान का। अध्यनन के विविध आयाम का,
चलो आज फिर दिए जलाएँ।
अथक प्रयासों के परिणाम का, संतुष्टि के मुस्कान का।
चलो आज फिर दिए जलाएँ।

सफलता के श्रेष्ठतम फलक पर। हिन्दुस्तान के अद्वितीय कीर्तिमान का।

चलो आज फिर दिए जलाएँ।

- कुमुद रंजन झा

रौशनी का मेला बेबस आदमी को चुभोता

रौशनी का मेला, बेबस आदमी को चुभोता है,
बबूल के सौ-सौ काँटें, उदास रात - आलू के चोखे का एक जूम तेल, लील जाता है बचपन में हो बुढ़या एक दिया,
चारों तरफसे बरसती रौशनी में, उसका अधेरा होता है बेपर्दा, दो पटाखों के आवाज़ के अंतराल की चुप्पी,
उसके सुबुक को कर जाती है रेखांकित, दीपों के रंग-उत्सव में, देह और मन के हर पैबंद,
द्रौपदी उस सभा की, कृष्ण ! कृष्ण ! कहते सो जाती है बूढ़े दिले के साथ,
रौशनी के हंगामे में. अधेरा होता है बहुत अकेला ,बहुत अकेला।

- शेष अमित

सारे रिश्तों में सबको जी भर प्यार मिले

इस जग के सारे रिश्तों में, सबको जी भर प्यार मिले।
दोस्त अगर या कोई दुश्मन जीने का अधिकार मिले।
एक अभीप्सा हो जीवन में हम सबका उपकार करें,
कांटों में भी फूल खिले, समझो हमको उपहार मिले।

- चन्द्रकान्ता मा प्रदीपा

अभिव्यक्ति

भाजपा के लिये ये आत्मचिंतन का समय

हरियाणा व महाराष्ट्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को खुलकर हंसने का मौका वोटरों ने नहीं दिया। दोनों राज्यों में भ्रष्टाचार का कोई मामला पिछले पांच साल में सामने नहीं आया। विकास कार्य भी खूब हुए। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने कामकाज में पूरी पारदर्शिता बरतते हुए सरकार को जनता के द्वार तक पहुंचाने का काम भी किया, बावजूद इसके अस्पष्ट जनादेश काफी कुछ सोचने को मजबूर करता है। हरियाणा में बीजेपी अकेले अपने दम पर मैदान चुनाव में उतरी थी, तो वहीं महाराष्ट्र में उसके साथ शिवसेना थी। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने चुनाव नतीजों के प्रति निराशा जताने की बजाय उन्हें सकारात्मक तौर पर स्वीकार किया है। लेकिन लोकसभा चुनाव में प्रचण्ड प्रदर्शन और धारा 370 हटाने जैसे बड़े निर्णय के बाद ऐसा कमजोर जनादेश बीजेपी के लिए बड़ी चिंता का विषय होना चाहिए। कुलमिलाकर यह कहा जा सकता है कि दोनों राज्यों के जनादेश की एक ही वाक्य में व्याख्या की जाए, तो यह भाजपा की बुनियादी चुनौती हार है। ये जनादेश भाजपा के ही खिलाफहै।

हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम ने सभी को चौंका दिया। चुनाव परिणाम का सबसे बड़ा झटका सत्ताधारी भाजपा को लगा। सरकार के अधिकांश मंत्रियों व स्वयं प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हारना साफसंकेत है कि वोटर सरकार से कितना नाराज थे। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे हरियाणा में भाजपा का लक्ष्य इस बार 75 पर का था, लेकिन पार्टी सामान्य बहुमत भी हासिल नहीं कर सकी। जनादेश त्रिशंकु विधानसभा का मिला है। अलबत्ता भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। सत्ता प्राप्ति के लिए उसे 11 महीने पुरानी जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) से समझौता करना पड़ा। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुष्यंत चैटाला उपमुख्यमंत्री बनाया गया। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) को पहले चुनाव में ही 10 सीटें मिली हैं, लिहाजा उसे उभरते राजनीतिक संगठन के तौर पर देखा जा सकता है। बुनियादी तौर पर देवीलाल की राजनीतिक विरासत जेजेपी को हासिल हुई है। दुष्यंत ने इस दौड़ में दादा ओमप्रकाश चैटाला और चाचा अभय चैटाला को पछाड़ दिया है।

इसके अलावा जो सबसे बड़ी बात यह है कि हरियाणा में भयंकर गुटबाजी और खींचतान के बावजूद कांग्रेस दोबारा जिंदा हुई है। इसका पूरा श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को ही जाता है। यदि कांग्रेस नेतृत्व ने तीन माह पहले ही हुड्डा

की ताकत को आंक लिया होता और अशोक तंवर को हटाकर उन्हें कमान सौंप दी होती, तो अप्रत्याशित जनादेश पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में होता। हरियाणा में कांग्रेस का उभार भाजपा के लिये बड़ा खतरा है। असल में हरियाणा कांग्रेस का परंपरागत गढ़ रहा है। हरियाणा के जन्म के बाद से ही एकाध सरकार को छोड़कर अब तक जितनी सरकारें



बनीं हैं वो कांग्रेस की या फिर उससे टूटकर बने दलों की ही रही हैं। हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस के 30 के करीब विधायक एक निर्णायक ताकत साबित हो सकते हैं, लेकिन राज्य नेताओं की आपसी गुटबाजी, खींचतान और एक दूसरे को गिराने-उठाने की होड़ में ऐसा होता लगता नहीं है कि कांग्रेस अपने विधायकों को लम्बे समय तक पाले में रख पाएगी। वैसे यह समय भाजपा के लिये आत्ममंथन का भी होगा कि उसके कहां चुक हूईं जो हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर को दूसरी पारी में जजपा की मदद लेनी पड़ी। यह भी कि उसके मंत्रियों को जनता ने क्यों नकारा है।

कमोबेश हरियाणा जैसी हालत और नजारा महाराष्ट्र में भी देखने को मिला। हरियाणा में तो बिना समय गवांये बीजेपी ने जेजेपी के साथ मिलकर सरकार बना ली, लेकिन महाराष्ट्र में सहयोगी शिवसेना ही बीजेपी के लिये मुसीबत बनी हुई है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस-एनसीपी के 100 के करीब विधायक जीतना एक अप्रत्याशित और बेहतर चुनौती उपलब्ध है। वहां एनसीपी भी दोबारा जिंदा हुई है। उसके 50 से ज्यादा विधायक जीत कर आ रहे हैं। बेशक महाराष्ट्र में सत्ता का आंकड़ भाजपा-शिवसेना गठबंधन के पक्ष में है और हरियाणा में भी सरकार बनाने का पहला मौका भाजपा को मिल सकता है, लेकिन गौरतलब यह है कि दोनों राज्यों में कई-कई मंत्री चुनाव हारे हैं। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर बड़े और छोटे भाई के बीच जुबानी जंग का दौर जारी है।

सही मायनो में देखा जाए तो ये जनादेश भाजपा के प्रति शुरुआती नाराजगी के प्रतीक हैं। करीब पांच माह पूर्व हुए लोकसभा चुनाव में हरियाणा में भाजपा को करीब 58

भूरिया बन सकते हैं मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

झाबुआ विधानसभा चुनाव के नतीजे भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए गंभीर परिणाम हैं। भाजपा में जहां हार के कारणों का विश्लेषण करते हुए असंतोष की आवाजें उठाई जा रही हैं, वहीं कांग्रेस में पुसपुसाहट सुनाई दे रही है क्योंकि पार्टी के दिग्गज कांति लाल भूरिया की जीत संभव हो गई है। भाजपा के सीधी विधायक केदारनाथ शुक्ला द्वारा झाबुआ में हुई पराजय के बाद पार्टी अध्यक्ष राकेश सिंह के इस्तीफे की मांग के बाद, भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा के पूर्व सदस्य रघुनंदन शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा था। झाबुआ विधानसभा सीट को बचाए रखने में विपक्षी दल के असफल रहने के बाद शर्मा ने सीधी विधायक के दृष्टिकोण का भी समर्थन किया है।

चौहान को मामा के नाम से जाना जाता है। शर्मा ने कहा कि यह शब्द झाबुआ में भी बहुत मायने रखता है और लोगों की सम्मान के साथ मामा कहा जाता है। लेकिन मामा का जादू झाबुआ में काम नहीं आया और पूर्व मुख्यमंत्री को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 27,000 मतों के अंतर से भाजपा प्रत्याशी की हार कोई छोटी हार नहीं है। शर्मा ने कहा मामागिरी के लिए काफी कुछ हो चुका है। अब उनके भांजे (भतीजे) को पार्टी में आगे आने दें। शर्मा ने कहा कि पार्टी के नेताओं को संकोच नहीं करना चाहिए और झाबुआ में नुकसान के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर नेता अपनी जिम्मेदारी से हट जाते हैं, तो यह एक स्वस्थ संकेत नहीं है।" उन्होंने कहा कि ऐसे कई कार्यकर्ता हैं जिन्होंने पार्टी के लिए अपना जीवन दे दिए हैं। -लेकिन, संवाद की कमी होने पर लोग बुरा महसूस करते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी के भीतर स्वांद की कमी है।



जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए"। अपने चुनाव के साथ, कांति लाल भूरिया दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बाद पार्टी में सबसे वरिष्ठ नेता होंगे और इसलिए उन्हें कुछ महत्वपूर्ण कार्य प्राप्त करने का पूरा अधिकार है। उसके लिए दो विकल्प खुले हैं। एक, कैबिनेट में जगह और दूसरा प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनना। -मंत्रिमंडल विस्तार मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। राज्य के कांग्रेस प्रवक्ता दुर्गेश शर्मा ने कहा कि केवल सीएम कमलनाथ ही मंत्रालय का विस्तार कर सकते हैं। -लेकिन

फैसदी वोट मिले थे और उसने सभी 10 संसदीय सीटें जीती थीं। महाराष्ट्र में भी 45 फ़ैसदी से ज्यादा वोट भाजपा-शिवसेना गठबंधन को हासिल हुए थे। मतलब यह नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रति मतदाताओं में मोहभंग का भाव शुरू हो गया है, बल्कि राष्ट्राद, पाकिस्तान, कश्मीर, अनुच्छेद 370 और एनआरसी सरीखे राष्ट्रीय मुद्दों के बजाय स्थानीय और संवेदनशील मुद्दों को तरजीह दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का जोड़ी को दूरदर्शी और चुनाव प्रबंधन का गुरु माना जाता है, ऐसे में चूक कहां पर हुई ये विचाराणीय है। वास्तव में यह जनादेश भाजपा को चुनौती के तौर पर लेने चाहिए कि अकेले प्रधानमंत्री मोदी के करिश्मे पर सभी चुनाव नहीं लड़े जा सकते और स्थानीय समस्याओं की अपनी अहमियत होती है। यदि मोदी के

भरोसे ही जीत तय होती, तो हरियाणा में रामबिलास शर्मा, कैप्टन अभिमन्यु, ओपी धनखड़, कविता जैन, कृष्ण बेदी आदि मंत्री और ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त और महिला पहलवान बबीता फोगाट सरीखे वीआईपी उम्मीदवार चुनाव न हारें। मोदी के साथ साथ स्थानीय पर स्तर पर बीजेपी को नेतृत्व को उभारना और मजबूत करना होगा। दोनों राज्यों में जनता का संदेश साफहै कि जनता केंद्र व राज्य में अलग तरीके से वोट करती है। महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम का ईमानदारी से आकलन किया जाये, तो दोनों राज्यों में भाजपा के सीटों का घटना इस बात की ओर इशारा करता है कि इस चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दों पर स्थानीय मुद्दे भारी पड़े, जो राज्य के चुनाव में स्वाभाविक भी है। केंद्र में राष्ट्रीय सुरक्षा व आर्थिक सरोकारों की प्राथमिकता होती है तो विधानसभा चुनाव में स्थानीय मुद्दे, जिसमें कानून व्यवस्था, रोजगार, बिजली-पानी जैसे मुद्दे शामिल होते हैं। यह भी कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आमजन की दिक्ताओं को दूर करने में क्या भूमिका निभायी है। कांग्रेस की बेहतर होती स्थिति संकेत है कि भाजपा एक वर्ग की आंकाशाओं पर खरी नहीं उतरी है। साथ ही जो वायदे किये गये, वे ज़मीनी हकीकत नहीं बन सके। दरअसल, जनता बेहतर विकल्प की तलाश में रहती है। जहां भरोसा नजर आता है, मतदान कर उसे सत्ता की चाबी सौंप देती है। वहीं कुछ तथ्य ऐसे हैं जो बीजेपी के पक्ष में जाते हैं। असल में आर्थिक मंदी के जोरदार हल्ले के बावजूद देश की व्यवसायिक राजधानी मुम्बई में भाजपा की सफ़्लता चैकाने वाली है। वास्तव में बीजेपी को इन चुनाव परिणामों का सूक्ष्म विश्लेषण भी करना चाहिए।

कांति लाल भूरिया पार्टी के सबसे वरिष्ठ आदिवासी नेता हैं। सांसद और विधानसभा में कांति लाल भूरिया के अनुभव का दखत हुए, अगर मुख्यमंत्री उन्हें मंत्रिपरिषद में शामिल करने का फैसला करते हैं, तो यह स्वागत योग्य होगा। कमलनाथ केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री थे जब भूरिया यूपीए -2 सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री थे। दिसंबर 2018 में जब कांग्रेस ने 15 साल बाद राज्य में सरकार बनाई तो पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अनुभवी नेताओं की कमी थी जिन्हें कैबिनेट मंत्री नियुक्त किया जा सकता था। शासन के अनुभव वाले कई नेता चुनाव हार गए, जिन्हें अजय सिंह, पूर्व डिप्टी स्पीकर राजेंद्र सिंह, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अरुण यादव, राज्य कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राम निवास रावत और मुकेश नायक शामिल हैं। उनमें से चार पहले दिग्विजय सिंह सरकार के मंत्री थे। बड़े नेताओं की चुनौती हार से राज्य मंत्रिमंडल में ग्रीहर्नन को शामिल किया गया। -कांति लाल भूरिया एक केंद्रीय मंत्री के अनुभव के साथ एक विधायक हैं। एक कैबिनेट विस्तार के मामले में, उनकी सूची में पहले स्थान पर रहने की संभावना है और शायद एक प्रमुख पोर्टफोलियो दिया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि मुख्यमंत्री कब कैबिनेट फेरबदल का फैसला करेंगे? -कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा। वर्तमान में मुख्यमंत्री कमलनाथ अध्यक्ष भी पद संभाल रहे हैं। अन्य लोगों में ज्योतिरादित्य सिंधिया भी नौकरी अध्यक्ष पद का दावेदार बने हुए हैं। लेकिन उन्हें दिग्विजय सिंह सहित पार्टी के एक वर्ग के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अगर भूरिया का नाम आया, तो दिग्विजय सिंह अपनी सहमति दे सकते हैं। यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि भूरिया एक कार्यकाल के लिए पार्टी के अध्यक्ष रहे थे। **(संवाद)**

लघु कथा

रक्तदान

छोटे बेटे की बीमारी से परेशान सुनीता जैसे-तैसे अपने दिन कट रही थी। मजदूर पति सुरेश सुहर् ही दिल्ली के लिए निकल जाता। मजदूरी थी उसकी बीमार बेटे को अनाइ पत्नी के भलेसे छेड़ कर जाना। खुद भी ज्यादा कष्ट पड़ा-लिखा था वह। आठवीं पास को मिला आज के जमाने में कौन पूछता है। कई जगह नौकरी के लिए कोशिश करने के बाद मजदूरी करने में ही उसने अपनी अलाई समझी। परिवार का पेट तो चालना ही था उसे। पत्नी भी मजदूरी करती थी सँग-संग तो जैसे-तैसे गुजार दे जाता था। पर अब बेटे को न जाने यह कौन से अलौगी बीमारी हो गई कि रोज ही खून की बींदल लगनाओ। गरीब को कोई अपना खून क्यों देवे लगा। इतना पैसा भी नहीं कि खरीद सके। बस अब तो सब मजबान की टटा पर है। शिष्ट या नरे। यही

सोफर वह दिल्ली पर जाने लगा और पत्नी सुनीता घर रहकर बेटे की देखभाल करती। एक दिन ज्यादा लिए निकल जाता। मजदूरी थी लेकिन खून न मिल सका। सुनीता ने अपने आपल में बेटे को समेटे रोए ही जा रही थी। उसे रोता देख समीप बैठे एक नौजवान ने उससे कारण पूछा और अजान रक्त देकर उन्हें थोड़ी राहत दी, पर लेनी को जो मजदू था वहीं हुआ। बच्चा नहीं बचा। मां का रुदन धमने का जगन नहीं ले रहा था, गवार तभी सुरेश ने दु-दुई हटय से मन ही मन उस नौजवान का अंगार प्यक्त कर यह पण ले लिया कि अब से वह हर जरूरतमंद के लिए रक्तदान करेगा, चाहे उसकी जान ही क्यों न घली जाए।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1611 - गुस्टाफद्वितीय एडोल्फ 17 साल की उम्र में स्वीडन का राजा बने। 1883 - महान चिंतक एवं समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती का निधन। 1887 - बंगाल के लोकप्रिय उन्म्याकार सुकुमार राय का जन्म। 1909 - प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक होमी जहंगीर भाभा का जन्म। 1922 - बेनिटो मुसोलिनी ने इटली में सरकार बनाई। 1930 - तुर्की तथा यूनान से सिंधि पर हस्ताक्षर किये। 1945 - भारत संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ। 1956 - भारत का पहला पांच सितारा होटल 'अशोक' खुला। 1960 - ब्रिटेन में पहली बार सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट की गई। 1963 - अफ्रीकी देश मौरिक्का और अल्जीरिया ने युद्ध विराम संधि पर हस्ताक्षर किए। 1975 - स्पेन में किंग जुआन कार्लोस ने सत्ता संभाली। 1980 - मध्य अमेरिकी देश होंडुरास और अल सल्वाडोर ने सीमा विवाद हल किया। 1990 - प्रसिद्ध अभिनेता और निर्माता-निर्देशक जो शांताराम का निधन। 1994 - बाल्कन देश मैसेडोनिया के संसदीय चुनाव में वामपंथी गठबंधन की जीत। 2001 - ओसामा बिन लादेन के सम्पर्क में रहने के आरोपी तीन परमाणु वैज्ञानिकों को पाकिस्तान ने अमेरिका को सौंपा 2004 - यूरुनेन ने फ्रांस को 3-1 से पराजित करके 3७.5 अंक के साथ ओलंपियाड का स्वर्ण जीता। 2008 - असम (भारत) की राजधानी गुवाहाटी और 13 अन्य स्थानों पर भूखलाबद्ध धमाकों में लगभग 6६लोगों की मौत हो गई थी। 2013 - तेलंगाना के महबूबनगर में बस में आग लगने से करीब 44 लोगों की मौत। 2014 - प्रसिद्ध साहित्यकार रॉबिन शॉ का निधन।

- दीपा गुप्ता

कथारा। सीसीएल कथारा प्रक्षेत्र अन्तर्गत जारंगडीह परियोजना के रोड सेल में खेतकों के विस्थापित, रयत परिवार ने बुधवार को जारंगडीह कांठा घर को दर्जनो महिला ,पुरुष ने जाम कर दिया ।वहाँ कई पंचायत रोड सेल बंद व प्रभावित होते देख जारंगडीह के गाड़ी ऑनर,डीओ,होल्डर व मजदूर ने उक्त जाम का विरोध किया और जारंगडीह कांठा घर परियोजना प्रबंधन से मिलकर कांठा को चालू कराने की मांग दर्जनों लोगों ने परियोजना पदाधिकारी अरविंद कुमार के कार्यालय में जा कर किया गया वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार देश शांम को कांठा चालू करा दिया गया है। जाम का विरोध करने वालों में भवान सिंह, जारंगडीह उत्तरी पंचातत मुखिया मो इम्टीयाज अंसारी, डी०पी०सिंह, जीतेन्द्र यादव, मो०मतलूब, मो०अनवर खान, महादेव, गौरी,अमर सिंह, मो०असगर,विजय कुमार पंडित, राजू सिंह, विनोद पासवान, सर्दुल सिंह, रिकू कुमार, अफताब आलम, अजित कुमार सिंह, राजेंद्र कुमार, अनिल कुमार, मंतोष सिंह, जीतू, अशोक यादव, प्रकाश सिंह, मुख्य रूप से शामिल थे।

चुनरी, ओढ़नी या दुपट्टा कुछ भी पुकारिए। एक स्त्री के जीवन में यह स्वास महत्व रखता है। कई दुपट्टे तो वह ताउम्र संजोती है।

मुझ में रचा बसा लहराता आंचल

एक दुपट्टा आपके हर परिधान को चार चांद लगा सकता है। शर्त यह है कि आप इसे बेहद सलीके और नए-नए अंदाज में पहनें। शादी का भारी दुपट्टा हो या फिर अन्य दुपट्टे इन्हें आप किसी भी परिधान के साथ मैच कर सकती हैं। नए प्रयोग कर के आप सबसे अलग और खास भी दिख सकती हैं।

विवाह के बाद फ्यूजन रूप

नई-नई शादी हुई है तो लाजिमी है कि आप दुल्हन वाला लुक अपनाना चाहेंगी। साड़ी से थोड़ा ब्रेक लेते हुए फ्यूजन का नया विकल्प आजमा सकती हैं। भारी घेर का जमीन को छूता गाउन के साथ लाल दुपट्टा न केवल फ्रेश लुक देगा बल्कि हर अवसर को यादगार भी बना देगा। इसे

साड़ी के पल्लू की तरह पीछे से लाते हुए प्लीट डालकर कंधे पर पिनअप कर लें। गाउन का रंग क्रॉम, बादामी या हल्का पीला चुन सकती हैं।

सिल्क बनारसी

सिल्क के दुपट्टे की सबसे खास बात होती है कि सादगी के साथ यह किसी खास मौके के लिए पूरी तरह से तैयार करता है। अगर यही सिल्क बनारसी हो तो आपको बस जरूरत है उसे सही रंग के सूट के साथ मिलाने की। अगर कुछ प्रयोग करने की सोच रही हैं तो अमूमन पहने जाने वाले कंट्रास्टिंग सूट की जगह एक ही रंग का चूड़ीदार पजामी वाला सूट पहनें और उस पर बनारसी दुपट्टे की खूबसूरती बिखरने दें। चाहें तो दुपट्टे को एक तरफ से प्लीट डालकर पिनअप कर लें और दूसरे छोर को कंधे पर डाल लें।

जैकेट दुपट्टा और स्कर्ट

लांग स्कर्ट और वी कट ब्लाउज के साथ जैकेट दुपट्टा बेहद खूबसूरत लगता है। इससे आपका लुक पारंपरिक तो लगेगा ही है साथ ही मॉडर्न भी दिखेगा। इसके दोनों तरफ के किनारे को बीच में लाकर, तीनों को पिन से जोड़ लें। इससे दुपट्टे में बाहें डालनी की जगह बनेगी जिसे आप जैकेट की तरह पहन सकती हैं। अगर कमरबंध से प्रेम है तो यह स्टाइल जरूर आजमाएं क्योंकि स्कर्ट, ब्लाउट व जैकेट दुपट्टा के ऊपर कमरबंध आपके लुक को संपूर्ण बनाएगा। लाल रंग का दुपट्टा ले रही हैं तो स्कर्ट को हल्के रंग का चुनें और उसी के कंट्रास्ट का ब्लाउज बनवाएं। यह किसी डिजाइनर ड्रेस से कम नहीं दिखेगी।



किनारों पर भारी कढ़ाई

यह सही है कि ज्यादा भारी कढ़ाई वाले सूट अब चलन में नहीं हैं लेकिन भारी कढ़ाई वाला दुपट्टा आप जरूर चुन सकती हैं। कॉटन के सूट के साथ यह अच्छा लगेगा। सिर पर चुनरी रखना पसंद है तो यह फ्रंट कवर स्टाइल खूब जड़ेगा। दुपट्टे में प्लीट्स डालकर अपने बाएं कंधे पर रखें। आधे से ज्यादा हिस्सा पीछे की तरफ छोड़े और आगे वाले हिस्से से एक कोना पकड़े और दाएं कंधे पर पिनअप कर लें। पीछे पड़े ओढ़नी से सिर को ढक सकती हैं। हैवी वर्क दुपट्टे को सिर पर टिकाना मुश्किल होता है, इसलिए उसमें सेफ्टी पिन लगाएं और फिर बांधी पिन को सेफ्टी पिन में अटकाएं। ऐसा करने से चाहे दुपट्टा कितना भी भारी भरकम क्यों न हो बार-बार फिसलेगा नहीं।

प्रोफेशनल लुक देगा यह

शादी के कुछ समय बाद दफ्तर जाना पड़े और आप सूट या साड़ी पहनकर नहीं जाना चाहती तो दुपट्टा प्रोफेशनल लुक देगा। वेस्टर्न ड्रेस के साथ इसे मैच कर सकती हैं। बस दुपट्टे के स्टाइल में थोड़ी-सी क्रिएटिविटी दिखानी है। ओढ़नी के

दोनों किनारों को पकड़कर गले के पीछे लेकर जाएं और सेफ्टी पिन के साथ अटैच कर लें। बचे हिस्से को आगे की तरफ लटकने दें और वेस्ट बैंड बांध लें। अगर यह ज्यादा भारी न हो और ड्रेस उस लाल दुपट्टे के साथ मैच कर रही हो।

BREAST CANCER AWARENESS

जागरूक रहेंगी तो निदान होगा आसान

विश्वभर में अक्टूबर स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। शीघ्र निदान ही स्तन कैंसर का समाधान है। स्तन इमेजिंग के क्षेत्र में दो दशक से कार्य कर रही डॉ. संगीता सक्सेना (आचार्य रेडियो डायग्नोसिस विभाग मेडिकल कॉलेज) से बात की पूनम मेहता ने।

मा रतीय परिप्रेक्ष्य में स्तन कैंसर का खतरा जिस गति से बढ़ रहा है यदि समय रहते आवश्यक उपाय नहीं किए गए तो डब्ल्यूएचओ और लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार स्तन कैंसर हमारे देश में 2020 तक एक महामारी का रूप धारण कर लेगा।

शर्म की बात नहीं

स्तन कैंसर कभी भी किसी भी महिला को हो सकता है। कारण है इसके प्रति जागरूकता का अभाव। स्तन कैंसर स्क्रीनिंग हेतु मानक दिशानिर्देशों का अभाव है। अन्य कारण हैं, संकोचवश महिलाओं का जांच के लिए सामने न आना। क्योंकि प्रायः स्तन कैंसर को सामाजिक बुराई और शर्म के विषय के रूप में देखा जाता है। गर्भावस्था में स्तनपान के दौरान स्तन में होने वाली गठानों को अनदेखा करना चिंताजनक है। यही नहीं छोटे गांवों-कस्बों में इसके इलाज की मूलभूत सुविधाओं तक का अभाव है। वहीं इसका उपचार भी काफी महंगा होता है।



ये हैं कारण

परिवार के किसी अन्य सदस्य को स्तन कैंसर या प्रोस्टेट, अंडाशय, अग्न्याशय, फेलोपियन ट्यूब (अंडवाहिनी) का कैंसर,

पाया जाना, विशेषकर छोटी उम्र में। मासिक धर्म का जल्दी शुरू होना (12 वर्ष से कम आयु में) व देरी से खत्म होना (54 वर्ष से अधिक आयु में)। महिलाएं जिन्होंने फेलोपियन ट्यूब (अंडवाहिनी) का कैंसर,

गर्भाधारण नहीं किया हो। हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी लेने वाली महिलाएं। पूर्व में स्तन कैंसर होना। महिला पान, धूम्रपान, मोटापा, आनुवांशिक कारण इत्यादि।

अनदेखा न करें

स्तन में गांठ या भारीपन महसूस होना। दर्द महसूस होना और स्तन में दर्द का लगातार बने रहना। स्तन की त्वचा में बदलाव होना। इसमें गठान और बगलों में गठान महसूस होना। निप्पल अंदर की ओर धंसना व उससे कोई स्राव निकलना। दोनों स्तनों के आकार में अंतर। साथ निप्पल से रक्त स्राव होना।

परीक्षण का तरीका

स्तनों का परीक्षण नियमित रूप से करना चाहिए। महीने में एक बार उपयुक्त समय है माहवारी के पांचवें दिन। यदि कोई छोटी गांठ जल्वादि महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। स्वयं परीक्षण हेतु कपड़े हटाएं और शीशे के सामने देखें कि स्तन के बनावट या रूप रखा में कोई परिवर्तन या कोई गड़वा

तो नहीं। निप्पल अंदर की ओर तो नहीं धंस रहा। दोनों हाथ ऊपर उठाकर सभी कोणों से परीक्षण करें। अंत में कांछ को भी उंगलियों के चपटे भाग से चेक करें। सूजन या गठान तो नहीं हैं। ध्यान रहें स्तन की ज्यादातर गठानें या परिवर्तन कैंसर के कारण नहीं होती। प्रत्येक महिला जिसकी आयु 35 वर्ष या अधिक है, साल में एक बार चिकित्सक द्वारा जांच कराएं।

यदि शुरुआती अवस्था में इसका पता चलता है तो, स्तन संरक्षण सर्जरी की जा सकती हैं। जिसमें पैथोलोजी की जांच से कैंसर का प्रकार व आकार निर्धारित करके स्तन का संरक्षण किया जा सकता है।

एक बार पता चल जाने पर पूर्व यह निर्धारित करना आवश्यक होता है कि यह शरीर के अन्य हिस्सों में फैल चुका है अथवा नहीं। इन बातों को जानने के लिए पूरे शरीर की सीटी स्कैन, एक्स-रे, पीईटी स्कैन जैसी जांच कराई जाती है। इन जांचों के नतीजों के आधार पर ही उपचार की योजना तैयार की जाती है। मरीज का मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी है।

BODY ODOUR

इस तरह बदबू से मिलेगा छुटकारा

पसीना सभी को आता है। इससे शरीर से बदबू आने की समस्या भी होती है। वहीं पसीने से त्वचा पर रेशोज, इंफेक्शन जैसी समस्याएं भी हो जाती हैं। इनसे छुटकारा पाना मुश्किल नहीं।

शरीर की दुर्गंध एक सामान्य समस्या है। आमतौर पर गर्मी में शरीर से बहने वाले पसीने के कारण दुर्गंध आने लगती है। कई लोगों के शरीर से दुर्गंध हर मौसम में आती है। इससे बचने के लिए सूती कपड़े पहनें। यह पसीने को सोख लेता है। वहीं रेशमी कपड़ों में पसीना सूख नहीं पाता जिससे बदबू आती है। दुर्गंध से बचने के लिए डिऑडरेंट की जगह कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं। इससे पसीने के लिए जिम्मेदार जीवाणु नहीं पनपते।



- नींबू के रस में बेकिंग सोडा या सिरका मिलाकर रात में बगलों में लगा लें।
- रोज खाली पेट पानी के साथ 500 मिलीग्राम व्हीटग्रास लें।

HEALTH ALARM

जान लें, रोटी का विकल्प नहीं होता है ब्राउन ब्रेड

आजकल हर कोई ब्राउन ब्रेड को खाना पसंद कर रहा है। कुछ को तो यह तक लगता है कि ब्राउन ब्रेड रोटी का विकल्प है। इसे खाने से वाइट ब्रेड जितना नुकसान नहीं होता। पर क्या हकीकत में ऐसा है? एक्सपर्ट के मुताबिक ज्यादातर लोगों को यह लगता है कि ब्राउन ब्रेड गेहूं से तैयार होता है। जबकि ऐसा नहीं है। रोटी पूरी तरह अनाज से बनी होती है जिसमें फाइबर होता है जबकि ब्राउन ब्रेड मैदा को मिलाकर बनती है। इसमें खमीर और प्रिजरवेटिव है। प्रिजरवेटिव सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। और खमीर से पाचन तंत्र बिगड़ता है।



पारंपरिक शरारा सूट

व्योहारों के इस मौसम में एक शरारा सूट जरूर अपने वाईरोब में शामिल करें। यह हर मौसम में आकर्षक दिखने वाला परिधान है। शरारे के साथ छोटी या बड़ी कोई भी कुर्ती आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। हल्की और भारी कढ़ाई में हर अवसर के लिए शरारा सूट इन दिनों खूब चलन में बना हुआ है। अनेक सिलेब्रिटीज भी इसके दीवाने बने हुए हैं। हर खास मौके पर इसे पहना जा सकता है।

बालों को रंग डालें इन रंगों में



अपने बालों को किसी भी रंग में रंगने का फैसला आपका है। लेकिन इन दिनों कई रंग चलन में बने हुए हैं। जैसे लाल, जिंगर कलर, अखरोटी रंग या फिर सुनहरे। आप किसी भी रंग को चुन सकती हैं मगर बालों को रंगने से पहले हैयर एक्सपर्ट की सलाह एक बार अवश्य ले लें।

TREND TALK

अपने लिए समय निकालना जरूरी



ब्यूटी पार्लर की बढ़ती तादाद यह बताती है कि स्त्रियां अपने सौंदर्य के प्रति आज ज्यादा सजग हो गई हैं। मगर बाजारवाद के बढ़ते प्रचलन ने स्त्रियों को प्राकृतिक और हर्बल सौंदर्य प्रसाधनों से दूर कर मंहगे और रसायनयुक्त प्रसाधनों की ओर आकर्षित किया है।

इसकी एक वजह समय का अभाव होना। घर में प्राकृतिक प्रसाधन बनाने का

वक्त उनके पास नहीं। विवाह और त्यौहार आदि जैसे खास अवसरों के लिए भी वे पार्लर करें। फिर मस्कारा लगाएं।

बेहद छोटी-छोटी बातों को गांठ में बांध लें। किसी भी त्यौहार से कुछ सप्ताह पहले हल्का व्यायाम करना शुरू करें। थोड़ी-थोड़ी दूर जाने के लिए गाड़ी आदि का उपयोग न करें। पैदल चलने की आदत डालें। यह शारीरिक और मानसिक स्वस्थ दोनों के लिए फायदेमंद साबित होता है।

बातें छोटी मगर काम की

- घूम में बाहर निकलते वक्त पहले चेहरा साफ कर मॉइश्चराइजर या सनस्क्रीन लगाएं।
- त्वचा तैलीय है तो अरिट्रिजेंट लोशन लगाने के बाद पाउडर लगाएं। ऐसी त्वचा पर ज्यादा पाउडर का प्रयोग न करें।
- चेहरे और गर्दन पर हल्की गीली स्पर्ज से पाउडर का प्रयोग करें। इससे चेहरे का सौंदर्य लंबे समय तक बना रहता है।
- फाउंडेशन प्रयोग करना चाहती हैं तो केवल लिक्विड फाउंडेशन प्रयोग करें। यह त्वचा के रंग से मेल खाता हो। इसमें एक-दो पानी की बूंदें डाल सकती हैं।
- फाउंडेशन को हमेशा अच्छी तरह ब्लेंड करना चाहिए।
- पलकों पर पेंसिल या काजल लगाएं। कोमल प्रभाव के लिए भूरी या स्लेटी आई शैडो का प्रयोग करें। फिर मस्कारा लगाएं।
- मस्कारे के ज्यादा कोट न लगाएं, यह इकट्ठा होकर जम जाएगा। पहला कोट सूखने दें। कंघी या ब्रश से पलकों से अतिरिक्त मस्कारा निकालें। फिर दूसरा कोट लगाएं।
- नारंगी शैड्स का फैशन है। विकल्प के तौर पर आप हल्के बैंगनी और गुलाबी रंगों का प्रयोग भी कर सकती हैं। ध्यान रखें कि ये रंग अत्यधिक चमकीले नहीं होने चाहिए।
- उचित आहार, व्यायाम पर्याप्त नींद आपको भीतर से स्वस्थ रखेगी।

प्रोक्टाटरफ़इनल में हार गए और इसके साथ ही नवीन मुकाबलों से बाहर हो गए। 70 क्रिया में 15वें स्थान की नवीन को क्वालिफिकेशन में रूस के चेरेमन वेलीव ने 11-0 से हरा दिया। वेलीव के फ़इनल में पहुंचने से नवीन को रैपेचेज में उतरने का मौका मिल गया है। नवीन का रैपेचेज में मंगोलिया के तेमुलेन अंखतुया से मुकाबला होगा। यह मुकाबला जीतने पर नवीन अजरबैजान के दाऊद इब्राहिमोव से भिड़ेंगे जिसे जीतने के बाद ही वह कांस्य जीतेंगे। मुकाबले में उतरेंगे। 97 क्रिया में आकाश अतिले ने प्रोक्टाटरफ़इनल में चीन के जू ली को 10-0 से परास्त कर दिया। आकाश प्रोक्टाटरफ़इनल में यूक्रेन के डैनिल स्तासियुक से कड़े संघर्ष में 5-0 से हार का सामना करना पड़ा। स्तासियुक के सेमीफ़इनल में हारने से आकाश की रैपेचेज में उतरने की उम्मीदें टूट गयीं।

अखियों से गोली मारे के रीमेक में दिखेंगी भूमि-अनन्या

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर, अनन्या पांडे और अभिनेता कार्तिक आर्यन गोविंदा-रवीना टंडन के सुपरहिट सॉन 'अखियों से गोली मारे' के रीमेक में दिखेंगे। कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'पति पत्नी और वो' की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म में कार्तिक के अपोजिट भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे नजर आएंगी। भूमि, कार्तिक की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी वहीं अनन्या 'वो' बनेगी।

स्टारडम की कीमत सामाजिक जिम्मेवारी लेना: ऋतिक

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के माचोमेन ऋतिक रोशन का कहना है कि स्टारडम की छोटी सी कीमत होती है। जिसके तहत आपको सामाजिक जिम्मेवारी अपने कंधों पर लेनी होगी। ऋतिक रोशन को फिल्म इंडस्ट्री में आये हुये करीब दो दशक हो गये हैं। उनकी हाल ही में फिल्म वॉर प्रदर्शित हुयी जिसने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी सशक्त पहचान बना ली है। ऋतिक रोशन से पूछा गया कि क्या स्टारडम की कोई कीमत है इसके जवाब में उन्होंने बताया, 'कीमत यह है कि आपको जिम्मेदारी लेनी होगी। सामाजिक जिम्मेदारी आपके कंधे पर होगी। आपको आपके द्वारा कही गई बातों के लिए जवाबदेह होना होगा। आपको अपनी निजता का त्याग थोड़ा बहुत करना होगा।

शादी की प्लानिंग में काजल अग्रवाल

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारत की जानी मानी अभिनेत्री काजल अग्रवाल शादी की प्लानिंग कर रही है। काजल अग्रवाल के फैसले के लिए अच्छी खबर है। वह जल्द ही शादी करने की प्लानिंग कर रही है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद एक पोस्ट में दी। काजल अग्रवाल से उनकी शादी के प्लान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हां, मैं शादी करने की प्लानिंग कर रही हूँ।' जब उनसे पूछा गया कि वह अपने पति में कैसे गुण चाहती हैं तो काजल ने कहा, 'कई सारी चीजें होती चाहिए लेकिन सबसे जरूरी है कि वह पजेसिव हो, खयाल करने वाला हो और आध्यात्मिक हो। काजल अग्रवाल ने बताया, फ्रामें बहुत आध्यात्मिक किस्म की हूँ। मेरे पास भगवान शिव की छोटी मूर्ति भी है जिसे मैं हर जगह साथ लेकर जाती हूँ। फ्रकाजल से जब 'किल, हुक अप और मैरी' का सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह राम चरण को मारना चाहेंगी, एन टी रामा राव जूनियर के साथ हुक अप करना चाहेंगी जबकि प्रभास के साथ शादी करना चाहेंगी।

QUIZ TIME

1) साधारण बीमा निगम के अधीन कितनी बीमा कंपनियाँ कार्यरत हैं?
(क) 2 (ख) 4 (ग) 5 (घ) 6

2) रुपये जारी किया गया है'-
(क) एसबीआई (ख) नाबार्ड (ग) भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम लि.

3) कैथलगुडी गैस विद्युत परियोजना किस राज्य में स्थित है? (असम / गुजरात)

4) किस संस्था ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'ग्लोबल गोलकीपर' पुरस्कार से सम्मानित किया है?

5) किसने सर्वाधिक 24 बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ाई करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है?

उत्तर-माला (3) अरुण (4) हिम एंड गैस परियोजना (5) कर्नाटक, भारत

उत्तर-माला (3) अरुण (4) हिम एंड गैस परियोजना (5) कर्नाटक, भारत

अजय देवगन को लेकर 'बैजू बावरा' बनायेंगे भंसाली

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जाने माने फिल्मकार संजय लीला भंसाली की सिंघम स्टार अजय देवगन को लेकर फिल्म 'बैजू बावरा' बनाने की योजना है। संजय लीला भंसाली इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' को लेकर सुर्खियों में हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म हुसैन जैदी के नॉवेल 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' के एक चैप्टर पर आधारित होगी। फिल्म में आलिया भट्ट लीड ऐक्ट्रेस के तौर पर दिखेंगी। संजय लीला भंसाली ने अब अपनी आने वाली दूसरी फिल्म की घोषणा कर दी है। फिल्म का टाइटल 'बैजू बावरा' है। यह फिल्म दीवाली के मौके पर वर्ष 2021 में रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि 'बैजू बावरा' म्यूजिक लेजंड मैवरिक मैस्ट्रो के बदला लेने की कहानी पर आधारित होगी। फिलहाल, इस प्रोजेक्ट को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए अजय देवगन से भंसाली की बात चल रही है। इससे पहले दोनों फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' के लिए साथ आए थे जिसमें सलमान खान और ऐश्वर्या राय भी अहम किरदारों में थे।

रणवीर-दीपिका को लेकर फिर फिल्म बनायेंगे भंसाली!

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड फिल्मकार संजय लीला भंसाली एक बार फिर रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण को लेकर फिल्म बना सकते हैं। संजय लीला भंसाली ने हाल ही में अपनी अगली फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की घोषणा की है। इस फिल्म में आलिया भट्ट मुख्य किरदार में नजर आएंगी। कुछ दिनों पूर्व भंसाली की फिल्म 'इंशाख्वह' काफी चर्चा में थी। लेकिन सलमान खान के फिल्म छोड़ देने के बाद यह बंद हो गई। इसके बाद भंसाली ने आलिया भट्ट के साथ अगली फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की घोषणा की थी। यह फिल्म हुसैन जैदी के उपन्यास 'द माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' पर बेस्ड है।

नव प्रदेश

व्यापार

एनएमडीसी लिमिटेड में हुआ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का अयोजन

नई दिल्ली। एनएमडीसी लिमिटेड हैदराबाद के कार्पोरेट कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्यध अतिथि एपीवीएना शर्मा आईएसएस, सेवानिवृत्त राज्यापाल के सलाहकार की उपस्थिति में निदेशक कार्मिक श्री सुमित देव के द्वारा सभी कार्मिकों को सत्यरनिष्ठ प्रतिज्ञा दिलाने के साथ ही शुभारंभ हुआ। शर्मा ने अपने उद्बोधन में बल देते हुए कहा कि प्रक्रिया एवं अनुपालन तथा उसे व्यवहारिक व्यवसाय वास्तविकताओं पर विचार के लिए समय समय पर संशोधन करने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार निवारण के अलावा उन्होंने विभिन्न क्षमताओं के दौरान अपने व्याक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि विभिन्न प्रकार के समाधान नीतियों में संशोधन होने के साथ ही कार्यान्वित किया जा सकता है। उन्होंने दंड की मात्रा को तय करते समय कर्मचारी के पूर्ववृत्त पर विचार करने की आवश्यकताओं पर रेखांकित किया। मुख्य सतर्कता अधिकारी वीवीएस श्रीनिवास ने ईमानदारी एक जीवन शैली तथा संगठनात्मक सत्यधनिष्ठ में सुधार के साथ ही कार्यान्वित किया जा सकता है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीय सतर्कता आयोग भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में निवारक सतर्कता तथा समाज के सभी वर्गों के नागरिकों के सहभागिता पर विशेष बल दिया है। श्रीनिवास ने बताया कि आयोग के विजन के अनुरूप शहर के कई स्कूलों, कालेजों तथा कर्नाटक छत्तीसगढ़ तथा मध्यप्रदेश के परियोजनाओं में चित्रकला भाषण तथा निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। युवाओं के सोच आकर्षित करने हेतु स्कूलों कालेजों में मानव श्रृंखला के साथ सीवीसी लोगो का निर्माण एक बोमेषी गतिविधि प्रस्तावित है।

लॉन्च होने वाली है नई स्कोर्पियो



नई दिल्ली। स्कोर्पियो अपने सेगमेंट में जबरदस्त पॉप्युलर एसयूवी है। बड़े शहरों से लेकर गांवों तक में इसकी डिमांड है। अब महिंद्रा अपनी इस दमदार एसयूवी को नए अवतार में लेकर आ रही है। नई Mahindra Scorpio ऑटो एक्सपो 2020 में पेश की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नई Scorpio थार वाले मॉडर्न प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। इसमें भी 2.0-लीटर वाला इंजन होगा, लेकिन स्कोर्पियो में इसका पावर आउटपुट अलग होगा। दरअसल, नई स्कोर्पियो को कई बार टैस्तिंग के दौरान देखा जा चुका है। पहली नजर में लगता है कि नया मॉडल पहले के मुकाबले काफी अलग होगा। एसयूवी के इंटीरियर में काफी बदलाव होंगे जो कि प्रीमियम होने के साथ-साथ स्टायलिश होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक Scorpio का नया मॉडल प्रीमियम कैबिन देगा। नई स्कोर्पियो की बात करें तो फिलहाल Mahindra Scorpio दो विकल्पों के साथ आती है। इस एसयूवी में पहला 2523cc का 4 सिलेंडर वाला इंजन दिया गया है जो कि 75 Bhp की पावर और 200 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। इस इंजन को 5 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से लैस किया गया है। जबकि दूसरे वेरिएंट में 2179cc का 4 सिलेंडर वाला इंजन दिया गया है, जो कि 140 Bhp की पावर और 320 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। इस इंजन को 6 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से लैस किया गया है। डाइमेंशन के मामले में बाजार में मौजूदा Scorpio की लंबाई 4456 mm, चौड़ाई 1820 mm, ऊंचाई 1995 mm, कुल वजन 2610 किलो, व्हीलबेस 2680 mm और 60 लीटर का फ्यूल टैंक है। खबर है कि नई Scorpio की लंबाई थोड़ी ज्यादा, लेकिन ऊंचाई हल्की कम होगी। कीमत की बात करें तो फिलहाल Mahindra Scorpio की कीमत 10 लाख से 16.63 लाख रुपये के बीच है।

शेयर बाजारों की लंबी छलांग सेंसेक्स 581 और निफ्टी 160 उछले

मुंबई (वार्ता)। कंपनियों के बेहतर नतीजों और शेयर कारोबार से जुड़े करों में भारी रियायत की उम्मीदों के बीच मंगलवार को देश के शेयर बाजारों ने लंबी छलांग लगाई। बाम्बे शेयर बाजार(बीएसई) के सेंसेक्स ने 581.64 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज(एनएसई) के निफ्टी ने 159.70 अंक की उड़ान भरी। तीन दिन के अवकाश के बाद शेयर बाजार आज खुले। हालांकि दीपावली के दिन शेयर बाजारों में शुभ मुहूर्त कारोबार हुआ था जिसमें तेजी का रुख था। सोमवार को दिवाली वाली प्रतिपदा के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहे थे। कारोबार की शुरुआत से ही बाजार में तेजी का रुख था। सत्र के प्रारंभ में पहले के 39250.20 अंक की तुलना में सेंसेक्स 39293.40 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान ऊंचे में 39917.01 अंक और नीचे में 39254.12 अंक तक गिरने के बाद सत्र की समाप्ति पर कुल 581.64 अंक की बढ़त के साथ 39831.84 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में 11786.85 अंक पर 159.70 अंक अर्थात 1.37 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार सरकार दीर्घकालिक कैपिटल गैस कर, प्रतिभूति लेन देन कर और लाभांश वितरण कर में बड़ी राहत दे सकती है। कारोबारी धारणा पर सकारात्मक असर डालने वाला

साबित हुआ। पिछले सप्ताह देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टाटा मोटर्स के अच्छे तिमाही नतीजों ने भी बाजार को बल दिया। बीएसई का मिड कैप 14602.54 अंक पर 161.48 अंक अर्थात 1.12 प्रतिशत और स्मॉल कैप 13383.60 अंक पर 73.30 अंक अर्थात 0.55 प्रतिशत ऊंचे बंद हुए। एशियाई शेयर बाजारों से भी मजबूती के समाचार रहे। बीएसई में सत्र के दौरान कुल 2677 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें से 1439 में बढ़त और 1027 में गिरावट रही जबकि 211 की कीमतें स्थिर रही। सेंसेक्स से जुड़ी तीस कंपनियों में 26 में बढ़त और चार में गिरावट रही। दूसरसंचार कंपनी एयरटेल का शेयर तिमाही नतीजों को टाले जाने की रिपोर्ट के बीच सबसे अधिक वितरण कर में बड़ी राहत दे सकती है। कारोबारी धारणा पर सकारात्मक असर डालने वाला

रिजर्व बैंक का स्पष्टीकरण सोना बेचने की खबरें गलत

मुंबई (वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मीडिया में आई उन रिपोर्टों का खंडन किया है जिनमें केंद्रीय बैंक के सोना बेचने का उल्लेख किया गया है। केंद्रीय बैंक ने शनिवार को दो ट्वीट किए और कहा कि मीडियो की यह रिपोर्ट गलत है। बैंक ने कहा कि उसने हाल के दिनों में अपने भंडार से कीमती पोलो धातु की बिक्री नहीं की है। मीडिया में ऐसी रिपोर्टें आई थीं की रिजर्व बैंक ने हाल में तीस वर्षों में पहली मर्तबा अपने भंडार से सोने की बिक्री की है। रिपोर्टों में कहा गया था कि केंद्रीय बैंक पूर्व गवर्नर जलान समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने के बाद इस वर्ष अगस्त से सोना कारोबार में सक्रिय हो गया है। बैंक ने कहा है कि उसके साप्ताहिक आंकड़ों में घटबढ़ मासिक से साप्ताहिक पुनर्मूल्यांकन के आधार पर है और यह सोने की अंतर्राष्ट्रीय कीमत और विनिमय दरों पर आधारित है।

बायोफैच इंडिया सात से ना नवंबर तक ग्रेटर नोएडा में

नई दिल्ली (वार्ता)। देश के जैविक खाद्य उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के क्षेत्र में उन्नति को प्रदर्शित करने वाला 11 वां बायोफैच इंडिया 2019 मेला राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में सात से तीन नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। तीन दिन चलने वाले इस मामले का आयोजन वाणिज्य मंत्रालय के अधीन सांविधिक निकाय माटोको, सन फार्मा, आईटीसी, हिंदुस्तान लीवर, एचसीएल टैक, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक और इम्प्रेसिस टेक्नोलॉजीस भी बढ़त में रहे।

किया जायेगा। मेले में ननर्बर्ग मेसे इंडिया भी सहयोग कर रही है। एपीडा के अध्यक्ष पवन के बड़यकुर ने सोमवार को बताया कि व्यापार मेला प्रदर्शनी बायोफैच 2019 में देश तथा विदेश के निर्यातकों, प्रसंस्करणकर्ताओं, खुदरा आयोजित किया जाएगा। तीन दिन चलने वाले इस मामले का आयोजन वाणिज्य मंत्रालय के अधीन सांविधिक निकाय कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण(एपीडा) कर रहा है। मेले में जैविक खाद्य उत्पादों, सामग्री, जिनसों तथा प्रसंस्कृत खाद्य के प्रमुख केंद्र के रूप में देश की तरफ़ी को प्रदर्शित

उनका प्रत्यक्ष अनुभव भी देखने का मिलेगा। अध्यक्ष ने बताया, बायोफैच पर एपीडा की पैवेलियन बायोफैच 2019 का विशेष आकर्षण होगा जिसमें सामान प्रदर्शित किया जायेगा और देश के जैविक खाद्य उत्पादकों को भी 2 बी और बी 2 एस बैठकों के जरिये अंतर्राष्ट्रीय खरीददारों के साथ सीधे कारोबार पर विचार विमर्श के मौके मिलेंगे। उत्पादकों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से सीधे जुड़ने का मौका मुहैया कराने के लिए एपीडा प्रमुख आयातक देशों से 75 से अधिक खरीदारों को आमंत्रित एवं प्रायोजित कर रहा है।

